वर्ष-11 अंक-16 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, बुधवार 19 मार्च 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

आधुनिक समाचार नेटर्वक

Download From

Adhunik Samachar

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी जमीन पर भारत विरोधी गतिविधियां नहीं'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी

गबार्ड से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, दोनों देशों के संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में खासकर इस बात पर सहमति बनी कि अमेरिका में अब खालिस्तानियों को भारत विरोधी गतिविधियां चलाने के लिए जगह नहीं मिलेगी। अमेरिका में अब खालिस्तानियों को भारत विरोधी गतिविधियां चलाने के लिए जगह नहीं मिलेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की बैठक में अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों के लिए जगह नहीं देने पर सहमति बनी है। 20 देशों की खुफिया विभाग के प्रमुखों की हो रही बैठक से इतर डोभाल और गबार्ड की यह द्विपक्षीय मुलाकात हुई।बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। लेकिन सूत्रों ने बताया कि दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई। दोनों ने मुख्य रूप से खुफिया जानकारी साझा करने के तरीकों को मजबूत करने और भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के साथ सुरक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की।बता दें कि गबार्ड मुख्य रूप से खुफिया प्रमुखों की बैठक में भाग लेने भारत आई हैं। वह 18 मार्च को रायसीना डॉयलाग में भी हिस्सा लेंगी, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आमंत्रित किया है। यह डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है।एनएसए डोभाल की अध्यक्षता में हुई खुफिया प्रमुखों के सम्मेलन में गबार्ड के अलावा, शीर्ष कनाडाई खुफिया अधिकारी डैनियल रॉजर्स और ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई-6 के प्रमुख रिचर्ड मूर भी मौजूद रहे।

18 देश मिलकर भारत में बनाएंगे आतंकियों से निपटने की रणनीति 10 आसियान सदस्य व आठ संवाद सहयोगी राष्ट्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) के तहत आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक 19 से 20 मार्च 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित होगी। भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह उद्घाटन समारोह में 19 मार्च 2025 को मुख्य भाषण देंगे।आसियान रक्षा मंत्रियों की

बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) के तहत आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञ कार्य समूह (ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक 19 से 20 मार्च 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित होगी। इस बैठक की सहअध्यक्षता भारत और मलयेशिया करेंगे। यह पहली बार है जब भारत आतंकवाद विरोधी ईडब्ल्यूजी की सहअध्यक्षता करेगा।बता दें कि इस बैठक में 10 आसियान सदस्य देश ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपीन, वियतनाम, सिंगापुर और थाईलैंड के साथ आठ संवाद सहयोगी देश ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन, अमेरिका और रूस भाग लेंगे। इसके अलावा, तिमोर-लेस्ते और आसियान सचिवालय के प्रतिनिधि भी बैठक में शिरकत करेंगे।भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह उद्घाटन समारोह में 19 मार्च 2025 को मुख्य भाषण देंगे। यह बैठक 2024-2027 के तीन वर्षीय कार्यकाल के लिए योजनाबद्ध गतिविधियों की शुरुआत करेगी। चर्चा का मुख्य विषय एक मजबूत और प्रभावी रणनीति तैयार करना होगा ताकि आतंकवाद और उग्रवाद के बढ़ते खतरों से निपटा जा सके। यह बैठक आसियान सदस्य देशों और उनके सहयोगी देशों को आतंकवाद से निपटने के अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी देगी। एडीएमएम-प्लस एक ऐसा मंच है जो भाग लेने वाले देशों की रक्षा सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देता है। यह सात प्रमुख क्षेत्रों, आतंकवाद विरोधी अभियान, समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन, शांति स्थापना अभियान, सैन्य चिकित्सा, मानवीय बारूदी सुरंग कार्रवाई और साइबर सुरक्षा ध्यान पर केंद्रित करता है।

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी अबू कताल के बाद बोले विशेषज्ञ- हाफिज सईद का भी यही हो सकता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी अबू कताल की हत्या के बाद, विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का अनुमान है कि 26/11 के मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के साथ भी जल्द ही ऐसा हो सकता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी अबू कताल की हत्या के बाद, विदेशी मामलों के विशेषज्ञों का अनुमान है कि 26/11 के मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के साथ भी जल्द ही ऐसा हो सकता है। एएनआई से बात करते हुए रोबिंदर सचदेवा ने कहा कि अबू कताल की हत्या से संकेत मिलता है कि लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और अन्य आतंकवादियों पर नजर रखने वाले लोग करीब पहुंच रहे हैं। सचदेवा ने कहा, ठहाफिज सईद का करीबी सहयोगी मारा गया, जिसका मतलब है कि जो लोग उन पर नज़र रख रहे हैं, वे काफी करीब पहुंच गए हैं। कहा जाता है कि जो तलवार से जीते हैं, वे तलवार से ही मरते हैं और हाफिज सईद को भी शायद यही हश्र झेलना पड़े। अबू क़ताल कश्मीर, राजौरी, पुंछ, पीओके में कई हमलों में शामिल था।ठसचदेवा ने अनुमान लगाया कि सईद ने अपने भतीजे की हत्या के बाद अपनी सुरक्षा कड़ी कर दी होगी। उन्होंने कहा, ठहाफ़िज़ सईद

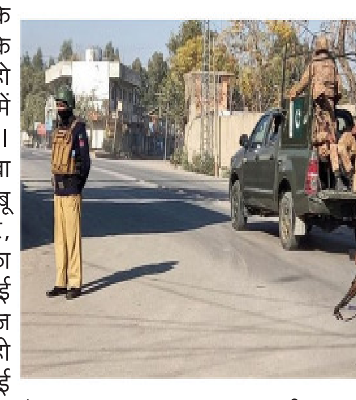

का अगला कदम अपनी सुरक्षा बढ़ाना और पाकिस्तानी सेना से मदद मांगना हो सकता है, हालांकि वे पहले से ही उसे सुरक्षा दे रहे हैं... कोई नहीं कह सकता कि इस घटना के पीछे कौन है, लेकिन यह संभवतः भारत को बदनाम करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से किया गया हो सकता है। हमले में एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की खबरों पर टिप्पणी करते हुए मेजर जनरल ध्रुव सी कटोच (सेवानिवृत्त) ने सुझाव दिया कि यह खुद हाफिज सईद हो सकता है। कटोच ने एएनआई को बताया, ठदूसरे घायल व्यक्ति को पाकिस्तान के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और इसने चर्चा का विषय बना दिया है क्योंकि पाकिस्तान उस व्यक्ति की पहचान के बारे में बहुत चुप है, और कुछ उभरती हुई रिपोर्टों से पता चलता है कि यह हाफिज सईद है।ठपाकिस्तान में बलूच विद्रोहियों द्वारा हाल ही में किए गए हमलों ने देश के भीतर आतंकवाद को उजागर किया है और इसकी सेना की 'तैयारी की कमी' को उजागर किया है, मेजर जनरल जीडी बख्शी (सेवानिवृत्त) ने रविवार को कहा। उन्होंने पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में लंबे समय से इस्तेमाल किए जाने की आलोचना करते हुए कहा, ठआतंकवाद को राज्य नीति का साधन बनाकर पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। जाफर एक्सप्रेस अपहरण के ठीक एक सप्ताह बाद बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर (एफसी) के काफिले पर हुए हमले के बारे में एएनआई से बात करते हुए मेजर जनरल बख्शी ने कहा, अब तक वे आतंक का निर्यात कर रहे थे। आतंक के जिन गिद्धों को उन्होंने बाहरी लोगों के लिए पाला था।

न्यू इंडिया बैंक गबन मामले में छठे आरोपी का सरेंडर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ के गबन मामले में वांछित एक और आरोपी ने रविवार को आत्मसमर्पण करि दया। मामले में यह छठी गिरफ्तारी है। मुंबई पुलिस ने बताया कि पिछले एक महीने से फरार अरुणाचलम उल्लानाथन मारुथुवर (62) ने दक्षिण मुंबई स्थित आर्थिक अपराध शाखा कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया सीमा शुल्क विभाग ने मुंबई हवाईअड्डे पर अलग-अलग कार्रवाई में 3.67 करोड़ का सोना जब्त किया और एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि इनमें से तीन आरोपी हवाईअड्डे पर स्थित दुकानों में काम कर सोने की तस्करी में मदद कर रहे थे। अधिकारियों ने शुक्रवार रात यह कार्रवाई की। इस दौरान हवाईअड्डे पर काम करने वाले प्रदीप पवार को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर उसकी पैंट में छुपाए गए सोने के पैकेट बरामद हुए। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि यह सोना उसे यात्रियों से मिला था।

प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद आरएसएस चीफ भागवत से मिलेंगे पीएम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (एए) की प्रतिनिधि सभा की बैठक के बाद पीएम मोदी संघ प्रमुख मोहन भागवत से मिलेंगे। गुड़ी पाड़वा पर 30 मार्च को नागपुर में दोनों हस्तियां पहली बार मंच साझा करेंगे। प्रधानमंत्री माधव सदाशिव गोलवलकर के नाम पर नेत्र अस्पताल का शिलान्यास भी करेंगे। जानिए क्यों अहम है यह मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मार्च को गुड़ी पड़वा पर नागपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान वह संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवरकर के नाम पर बनने वाले नेत्र अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखेंगे। इस दौरान पीएम मोदी पहली बार नागपुर में सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ मंच साझा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री के संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार को श्रद्धांजलि देने दीक्षाभूमि भी जाने की चर्चा है। संघ सूत्रों के मुताबिक पीएम की नागपुर यात्रा को लेकर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। उनका स्वागत स्मारक समिति की ओर से सरकार्यवाह भैयाजी जोशी करेंगे। समारोह में संघ प्रमुख और पीएम मोदी नागपुर में सार्वजनिक रूप से पहली बार मंच साझा करेंगे।

सूरज की तपिश भी बढ़ाती है भूकंप का खतरा तापमान में उतार-चढ़ाव से चट्टानें होती हैं कमजोर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शोधकर्ताओं ने भूकंप, सौर गतिविधि और सतह के तापमान के बीच संबंध को समझने के लिए गणितीय मॉडल का उपयोग

किया। उन्होंने पाया कि सतह के तापमान में बदलाव को शामिल करने से भूकंप की भविष्यवाणी अधिक सटीक हो सकती है, विशेष रूप से उथली गहराई पर आने वाले भूकंपों के लिए। जापान में हुए अध्ययन में सामने आया है कि सूरज की गर्मी भी भूकंप का खतरा बढ़ाती है। भूकंप एक जटिल प्राकृतिक घटना है जिसे वैज्ञानिक गहराई से समझने की कोशिश कर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार सूर्य की गर्मी से वातावरण का तापमान बदल जाता है, जिससे चट्टानों के गुणों और जमीन के नीचे बह रहे जल पर असर पड़ता है। इन परिवर्तनों के कारण भूकंप आने की संभावना बढ़ सकती है।जापान के सुकुबा विश्वविद्यालय और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड इंडस्ट्रियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों का यह अध्ययन वैज्ञानिक जर्नल कैओस में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं के अनुसार सौर विकिरण जो वायुमंडल द्वारा अवशोषित या परावर्तित नहीं होता (उदाहरण के लिए बादलों द्वारा) पृथ्वी की सतह तक पहुंचता है। पृथ्वी अपनी सतह पर पहुंचने वाली अधिकांश ऊर्जा को अवशोषित कर लेती है, एक छोटा सा अंश परावर्तित होता है। सूर्य की ऊर्जा में बदलाव होने पर इसका प्रभाव धरती के भीतर मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल पर भी पड़ता है। तापमान में उतार-चढ़ाव से चट्टानें कमजोर हो सकती हैं, जिससे उनके टूटने की संभावना बढ़ जाती है और यही भूकंप का कारण बन सकता है। शोधकर्ताओं ने भूकंप, सौर गतिविधि और सतह के तापमान के बीच संबंध को समझने के लिए गणितीय मॉडल का उपयोग किया। उन्होंने पाया कि सतह के तापमान में बदलाव को शामिल करने से भूकंप की भविष्यवाणी अधिक सटीक हो सकती है, विशेष रूप से उथली गहराई पर आने वाले भूकंपों के लिए। क्योंकि गर्मी और पानी का प्रभाव मुख्य रूप से पृथ्वी की ऊपरी परतों पर पड़ता है, इसलिए यह कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अध्ययन से जुड़े वैज्ञानिक मैथ्यूस हेनरिक जुनक्वेरा के अनुसार बारिश और पिघलती बर्फ टेक्टोनिक प्लेटों के किनारों पर दबाव को प्रभावित करती है। धरती कई टेक्टोनिक प्लेटों में विभाजित है जो लगातार धीमी गति से खिसकती रहती हैं।

कठिनाइयों से लड़कर लिया हार्वर्ड में दाखिला, रूढ़ियों को तोड़कर जगाई शिक्षा की अनोखी अलख

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीमा एक ऐसे गांव से ताल्लुक रखती हैं, जहां लड़कियों को केवल चूल्हे-चौके तक ही सीमित रखा जाता है। बावजूद इसके वह अपनी काबिलियत के दम पर समाज की उन बेड़ियों को तोड़कर आगे बढ़ीं, जो लड़कियों को तरक्की पाने से रोकती हैं झारखंड में एक छोटा-सा, रूढ़िवादी और काफी पिछड़ा गांव है दाहू, जहां कभी लड़कियों से घर पर रहने और पढ़ाई न करने की अपेक्षा की जाती थी। बात साल 2012 की है। एक गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) इस गांव में आया। यह लड़कियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक फुटबॉल कार्यक्रम के लिए स्थानीय बच्चों की तलाश कर रहा था। नौ साल की गरीब व पिछड़े समाज की भोली-भाली लड़की एक दिन घास लेने जा रही थी, तभी इस संस्था की ओर से फुटबॉल खेलने वाली लड़कियों पर उसकी नजर पड़ी। वह भी इस फाउंडेशन से जुड़ गई।घरवालों से अनुमति लेकर वह प्रतिदिन फुटबॉल के मैदान जाने लगी। फुटबॉल के जरिये वह लड़की न सिर्फ अपने गांव से ही बाहर निकली, बल्कि राष्ट्रीय टूर्नामेंट और

फिर अंतरराष्ट्रीय कैंप तक भी पहुंची। खेल के साथ ही उसने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। उसकी मेहनत और लगन का ही परिणाम था कि उसने झारखंड के ऐसे इलाके से निकलकर, जहां लड़कियों से कम उम्र में ही शादी करके चूल्हा-चौका करने की अपेक्षा की जाती थी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय तक का सफर तय किया। ऐसा करने वाली वह अपने इलाके की पहली लड़की बन गई। हम बात कर रहे हैं सीमा कुमारी की। रूढ़ियों को तोड़कर इतिहास बनाने तक, सीमा की यात्रा धैर्य, साहस और हार न मानने की मिसाल पेश करती है।सीमा के गांव दाहू में महज 1,000 लोग ही होंगे, जिनमें से ज्यादातर अनपढ़ किसान हैं। सीमा के माता-पिता भी इन्हीं में से एक थे, जो एक स्थानीय धागा फैक्ट्री में काम करके अपना व परिवार का गुजारा चलाते थे। वह अपने भाइयों के साथ मिलकर परिवार के 19 सदस्यों के साथ एक ही छत के नीचे रहते थे। आर्थिक तंगी के चलते दो वक्त की रोटी नसीब हो जाए वही काफी था, अच्छी पढ़ाई-लिखाई करना मानो ख्वाब देखने जैसा था। हालांकि, फिर भी सीमा के माता-पिता ने उन्हें सरकारी योजना के तहत सरकारी स्कूल में दाखिला करवा दिया, जहां वह पढ़ाई करती थीं। सीमा उस क्षेत्र से आती हैं, जहां लड़कियों की शिक्षा वर्जित है और बाल विवाह अभी भी चलन में है। बावजूद इसके वह सरकारी स्कूल से शिक्षा ले रही थीं। पढ़ाई के साथ-साथ वह मवेशी चरातीं, पानी भरतीं, खेतों में अपने परिवार की मदद करतीं और आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए चावल की बीयर भी बेचा करती थीं। इसके अलावा भी वह कई छोटे-मोटे काम करके अपने माता-पिता की मदद करतीं। अच्छी शिक्षा पाने के लिए सीमा ने झारखंड के एक अच्छे स्कूल में दाखिला तो ले लिया, लेकिन उसकी फीस भरने के पैसे नहीं थे।

समय की कमी भारतीय महिलाओं को धकेल रही पीछे, ज्यादातर समय परिवार को देने की वजह से नहीं कर पातीं नौकरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एनएसओ के अनुसार इस सवाल का जवाब न सिर्फ उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को दर्शाता है बल्कि लैंगिक असमानता को भी उजागर करता है।टाइम पावर्टी का अर्थ है कि बिना वेतन वाले कार्यों के कारण अपने लिए पर्याप्त समय न मिल पाना, जिससे न केवल आत्म-देखभाल प्रभावित होती है। समय की कमी के कारण भारतीय महिलाएं जिंदगी की रेस में पिछड़ रही हैं। अधिकांश महिलाएं अपना ज्यादातर समय घर के अवैतनिक कार्यों और

परिवार की देखभाल में लगाती हैं, जिससे उनके पास वेतनभोगी नौकरियों के लिए पर्याप्त समय नहीं बचता। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके इस परिश्रम को आर्थिक मूल्यांकन में शामिल नहीं किया जाता। आप, अपना दिन कैसे बिताते हैं? भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाली 4,54,192 महिलाओं से यह प्रश्न किया। इसके परिणामों से स्पष्ट हुआ कि 'टाइम पावर्टी' यानी समय की कमी भारतीय महिलाओं को किस तरह प्रभावित कर रही है।एनएसओ के अनुसार इस सवाल का जवाब न सिर्फ उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति को दर्शाता है बल्कि लैंगिक असमानता को भी उजागर करता है।टाइम पावर्टी का अर्थ है कि बिना वेतन वाले कार्यों के कारण अपने लिए पर्याप्त समय न मिल पाना, जिससे न केवल आत्म-देखभाल प्रभावित होती है बल्कि आय के अवसर भी सीमित हो जाते हैं। जब इस अवधारणा को लैंगिक दृष्टिकोण से देखा जाता है तो यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक चुनौती बनकर उभरती है। एनएसओ के सर्वे में पता चला कि पुरुष और महिलाएं अपने दिन के 24 घंटे कैसे बिताते हैं। इसके परिणामों ने चौंकाने वाली असमानता को उजागर किया। रोजगार और संबंधित गतिविधियों पर पुरुष अपने दिन का लगभग 61 फीसदी समय बिताते हैं जबकि महिलाएं केवल 20.7 फीसदी समय इस पर खर्च कर पाती हैं। महिलाएं अपनी कार्यक्षमता का 20 फीसदी समय वेतनभोगी कार्यों में लगाने से चूक जाती हैं।

'वैश्विक समुदाय चुनाव आयोग के कामकाज का अध्ययन करे', प्रधानमंत्री मोदी ने ईसीआई को खूब सराहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की चुनावी प्रक्रिया के व्यापक पैमाने पर बात आसान काम नहीं है। पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ एक पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की चुनावी प्रक्रिया के व्यापक पैमाने पर बात की। उन्होंने इसकी जटिलता

की। उन्होंने इसकी जटिलता और नागरिकों के बीच उच्च स्तर की राजनीतिक भागीदारी पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुना आयोग की जमकर सराहना की। उन्होंने भारत के तटस्थ और स्वतंत्र निर्वाचन आयोग की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रबंधन का वैश्विक समुदाय को अध्ययन करना चाहिए। इतना विशाल प्रबंधन कोई और नागरिकों के बीच उच्च स्तर की राजनीतिक भागीदारी पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में हमारे पास एक तटस्थ और स्वतंत्र निर्वाचन आयोग है। यह चुनाव कराता है। सभी जरूरी निर्णय लेता है। यह अपने आप में इतनी बड़ी सफल कहानी है कि दुनियाभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों को इसके प्रबंधन पर अध्ययन करना चाहिए। वैश्विक समुदाय को भारत की चुनाव प्रणाली के पैमाने और राजनीतिक जागरूकता को देखते हुए इसका विश्लेषण करना चाहिए। फ्रीडमैन ने कहा कि भारत में चुनाव कई दिलचस्प पहलू सामने लाते हैं। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसी कोई कहानी है, जो पीएम मोदी को विशेष रूप से प्रभावशाली लगी हो? इस पर 2024 के आम चुनाव का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि 98 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, जो उत्तरी अमेरिका की जनसंख्या से दोगुने से भी अधिक और यूरोपीय संघ की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा, '98 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं में से 64.6 करोड़ मतदाता मतदान करने के लिए अपने घरों से बाहर निकले, यहां तक कि मई की भीषण गर्मी में भी जब कुछ स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।' पीएम मोदी ने बताया कि देशभर में 10 लाख से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए और 2,500 से अधिक राजनीतिक दलों ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका का भी उल्लेख किया, जिसमें 900 से अधिक टीवी चैनल और 5,000 समाचार पत्र इस प्रक्रिया में योगदान दे रहे हैं।

चीन की बढ़ती ताकत चुनौती, सेना प्रमुख बोले- भारत भावी 'शक्ति केंद्र' के रूप में अफ्रीका पर गौर करे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जनरल द्विवेदी रविवार को दिल्ली में चौथे जनरल बिपिन रावत मेमोरियल व्याख्यान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक बदलाव और संसाधन

नियंत्रण की दौड़ के साथ, हमें भविष्य के शक्ति केंद्र के रूप में अफ्रीका की संभावनाओं पर गौर करने की जरूरत है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन का एक प्रभावशाली आर्थिक और सामरिक शक्ति के रूप में उदय जटिलता को बढ़ाता है, प्रतिस्पर्धा को जन्म देता है और भारत के वैश्विक दक्षिण का स्वाभाविक नेता बनने के प्रयास में बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य के शक्ति केंद्र के रूप में अफ्रीका की संभावनाओं पर गौर करना चाहिए।जनरल द्विवेदी रविवार को दिल्ली में चौथे जनरल बिपिन रावत मेमोरियल व्याख्यान में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक बदलाव और संसाधन नियंत्रण की दौड़ के साथ, हमें भविष्य के शक्ति केंद्र के रूप में अफ्रीका की संभावनाओं पर गौर करने की जरूरत है। भारत की स्थिति इसकी भौगोलिक स्थिति, जनसांख्यिकी, लोकतंत्र, समृद्धि, सॉफ्ट पावर और समावेशी दृष्टिकोण के कारण महत्वपूर्ण बनी रहेगी। भारत, सबसे बड़ी आबादी, सबसे बड़ा लोकतंत्र, 7वां सबसे बड़ा भूभाग और भू-रणनीतिक स्थान होने के बावजूद, अपेक्षाकृत निचले वैश्विक स्तर पर बना हुआ है। जनरल द्विवेदी ने अफ्रीका की महत्वता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को भविष्य के शक्ति केंद्र के रूप में अफ्रीका की संभावनाओं पर गौर करने की जरूरत है।

दिल्ली, मुंबई रूट की ट्रेनें फुल, 25 मार्च तक किसी भी ट्रेन में जगह नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। होली के बाद अब अगले कई दिन दिल्ली, मुंबई की रूट पर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में अगले कई दिन लंबी प्रतीक्षा सूची है। दिल्ली की ही बात करें तो इस

राह आसान नहीं है। इन दोनों ही रूट पर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में अगले कई दिन लंबी प्रतीक्षा सूची है। दिल्ली की ही बात करें तो इस रूट की सभी प्रमुख ट्रेनें 25 मार्च तक फुल हैं। होली के बाद अब अगले कई दिन दिल्ली, मुंबई की राह आसान नहीं है। इन दोनों ही रूट की सभी प्रमुख ट्रेनें 25 मार्च तक फुल हैं, जबकि मुंबई, पुणे एवं दक्षिण भारत की तरफ जाने वाली ट्रेनों में इस माह कंफर्म बर्थ ही उपलब्ध नहीं है। कमोवेश यही स्थिति स्पेशल ट्रेनों की भी हो गई है। ऐसे में अब जिन लोगों को वापसी करनी है वह परेशान है कि वह अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचे। अब राजापुर के मनीष गुप्ता का ही उदाहरण लें, वह होली के मौके पर मुंबई से प्रयागराज तो आ गए लेकिन अब वह वापस नहीं जा पा रहे हैं। बीते दो दिन से वह तत्काल टिकट के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं लेकिन उन्हें कंफर्म बर्थ नहीं मिल पा रही है। इसी तरह सोमवार की सुबह रामबाग स्टेशन पहुंचे लाउदर रोड के अमित श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें पुणे जाना है और वह शनिवार से ही तत्काल टिकट के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब तक उनका नंबर आता है तब तक संबंधित ट्रेन में प्रतीक्षा सूची हो जाती है। वहीं दूसरी ओर रेलवे द्वारा होली को लेकर तकरीबन 50 स्पेशल ट्रेनों को चलाया जा रहा है लेकिन इन सभी ट्रेनों में अगले कई दिन किसी भी श्रेणी में कंफर्म बर्थ उपलब्ध नहीं है।

कनाडा-सिंगापुर के आकाओं से ग्रुप में कॉलिंग करता था आतंकी लजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। एसटीएफ ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी लजर मसीह से पूछताछ की। पूछताछ में कई बड़े खुलासे हुए हैं। आतंकी लजर अपने

आकाओं के संपर्क में था। पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने वाला बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का आतंकी लजर मसीह से पूछताछ में और भी कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि आतंकी लजर के आका कनाडा और सिंगापुर में बैठे हैं। इनसे वह इंटरनेट कॉलिंग पर ग्रुप में बात करता था।एसटीएफ को लजर के मोबाइल फोन पर कई चैटिंग मिली है, जांच में पता चला है कि यह चैटिंग कनाडा में बैठे आकाओं की है। इसके अलावा उसके मोबाइल से कई बार इंटरनेट कॉलिंग का रिकॉर्ड भी मिला है। यह कॉल कनाडा से आती थी। थोड़ी देर बातचीत के बाद कॉल को सिंगापुर में बैठे कुछ और आकाओं के साथ जोड़ दिया जाता था। यानी, इन सभी के बीच ग्रुप पर कॉलिंग होती थी। बहरहाल, एसटीएफ की टीम ने मोबाइल फोन के सभी डाटा को संग्रह कर लिया है। जिसे आगे की जांच के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को सौंप दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि लजर के मोबाइल फोन पर मिले चैटिंग में महाकुंभ को लेकर भी आकाओं से बातचीत करने के तो तथ्य मिले हैं।

पति से विवाद के बाद बिजली टॉवर पर चढ़ी महिला, चार घंटे तक चलता रहा हाई वोल्टेज ड्रामा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। थाना क्षेत्र के बसहरा गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक महिला गांव से गुजरने वाले हाई टेंशन तार के लिए बनाए गए टॉवर पर चढ़ गई। इसकी जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। थाना क्षेत्र के बसहरा गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक महिला गांव से गुजरने वाले हाई टेंशन तार के लिए बनाए गए टॉवर पर चढ़ गई। इसकी जानकारी होते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को समझाने का प्रयास किया। लेकिन चार घंटे तक चले हाई प्रोफाइल ड्रामें के बाद महिला नीचे उतरी।गांव के भोले सिंह का उसकी पत्नी वंदना सिंह से सोमवार सुबह विवाद हुआ था। इसके बाद भोले घर से बाहर किसी काम से चला गया तो वंदना घर से निकली और पांच सौ मीटर दूर एक खेत में बने बिजली के हाई वोल्टेज टावर पर

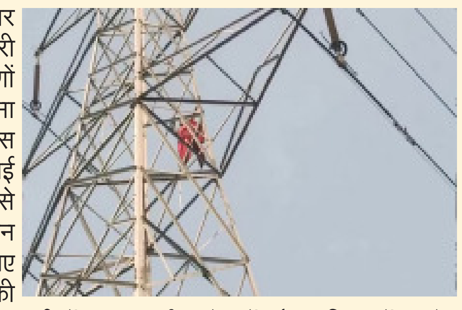

चढ़ गई । खेत में मौजूद किसानों ने इसकी जानकारी गांव में दी, जैसे ही महिला की बिजली के टावर में चढ़ने की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए। कुछ देर बाद लालापुर पुलिस को सूचना दी गई तो मौके पर एसीपी बारा संतलाल सरोज व थानाध्यक्ष लालापुर अजय कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को टावर से उतरने की मान मनौवल करने लगे। बारह बजे से टावर में चढ़ी महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा चार घंटे तक चला। शाम चार बजे पुलिस वालों की मान मनौवल के बाद महिला उतरने लगी, कुछ दूर उतरने के बाद हाथ पांव फूल गये, तब पुलिस वालों ने टावर पर चढ़कर रस्सी के सहारे नीचे उतारा।नीचे उतरते ही मौजूद पति भोले सिंह पर आरोप लगाने लगी पति रोज शराब पीकर घर आता है और मारपीट करता है, उधर पति ने कहा की रोज अवरगर्दी करती है मना करने पर मारपीट और मरने की धमकी देती है। वहीं ग्रामीणों की भीड़ के कारण गेहूं की फसल से तैयार खेत समतल हो गया।

बीआरसी जसरा में हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज जनपद के जसरा विकासखंड में स्थित

बीआरसी प्रांगण में शासन की मन्सा के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी जसरा द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड जसरा के समस्त न्याय पंचायत से पांच पांच निपुण बच्चों को स्टेशनरी , शील्ड, प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया ।इसके अतिरिक्त बुनियादी बुनियादी शिक्षा के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा पर एआरपी प्रमोद मिश्र, जितेंद्र मिश्र ,गिरीश सिंह, सतीश कुशवाहा द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। खंड विकास अधिकारी , खंड शिक्षा अधिकारी , आंगनवाड़ी सुपरवाइजर समेत अभिभावकों द्वारा टीएलएम स्टॉल का अवलोकन किया गया ।इस दौरान खंड विकास अधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा चलाई जा रही शिक्षा की योजना के तहत नौनिहालों में जो जागरूकता लाने का अभियान चलाया जा रहा है वह अत्यंत ही काबिले तारीफ है । बच्चों में नई जागरूकता लाने एवं उनके अंदर शिक्षा के प्रति रूझान पैदा करने की एक अनोखी पहल की गई है। जिसका अक्षरशः पालन करना गुरुओं की नैतिक जिम्मेदारी बनती है ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बाल वाटिका के माध्यम से 3 वर्ष से लेकर 5 वर्ष तक के नौनिहालों में जागरूकता लाने एवं उन्हें विद्यालय स्तर तक वंडर बॉक्स के माध्यम से खेल-खेल में रुझान पैदा करने की जो पहल की गई है उसका अनुसरण अपने-अपने विद्यालय में जाकर नोडल शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकतत्रियां अहम भूमिका निभाएंगे । कार्यक्रम का संचालन इआरपी सतीश कुशवाहा ने किया। इस मौके पर उपेंद्र द्विवेदी, डा.एसपी सिंह,शंकर चंद्र द्विवेदी,मनोज पाठक, राजेंद्र अनुरागी , देवव्रत द्विवेदी व अन्य उपस्थित रहे।

मिशन 2027 पर फोकस, जातीय समीकरण को भी तवज्जो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भाजपा ने अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा के साथ मिशन 2027 पर भी फोकस किया है। अध्यक्षों के चयन में जातीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। पार्टी ने जिले में इस बार अगड़ी, पिछड़ी जाति के अध्यक्ष के साथ ही अनुसूचित जाति का भी एक अध्यक्ष बनाया है भाजपा ने अध्यक्ष पद के नाम की घोषणा के साथ मिशन 2027 पर भी फोकस किया है। अध्यक्षों के चयन में जातीय समीकरण का भी पूरा ध्यान रखा गया है। पार्टी ने जिले में इस बार अगड़ी, पिछड़ी जाति के अध्यक्ष के साथ ही अनुसूचित जाति का भी एक अध्यक्ष बनाया है। जातीय समीकरण, वर्गों की भागीदारी के साथ उम्र का भी ध्यान रखा गया है। तीनों ही अध्यक्ष की उम्र 50 से 60 वर्ष के बीच है। महानगर की बात करें तो पिछले दो बार से यहां अगड़ी जाति का ही अध्यक्ष बनाया जा रहा था, लेकिन 2024 चुनाव में राजेंद्र मिश्रा के भाजपा महानगर अध्यक्ष रहने के दौरान पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसी वजह से पार्टी ने अब यहां से पिछड़ी जाति के संजय गुप्ता को महानगर अध्यक्ष पद की कमान सौंपी है।बता दें संजय गुप्ता ने पिछले वर्ष हुए लोकसभा

चुनाव के दौरान फूलपुर लोकसभा सीट से संयोजक पद की जिम्मेदारी संभाली थी। यमुनापार की बात करें तो यहां पिछड़ी जाति के शिवदत्त पटेल के बाद अनुसूचित जाति के डॉ. विभव नाथ भारती एवं उसके बाद पिछड़ी जाति के विनोद प्रजापति को अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन इस बार पार्टी ने यहां से ब्राह्मण चेहरे के रूप में नैनी के चाड़ी गांव निवासी राजेश शुक्ला को अध्यक्ष बनाकर बड़ा दांव खेला है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को यमुनापार से ब्राह्मणों का वोट उम्मीद के मुताबिक नहीं मिला। विनोद प्रजापति भी पार्टी की मंशा पर खरे नहीं उतरे। इसी वजह से पार्टी ने यहां जातीय समीकरण को देखते हुए राजेश शुक्ला को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। गंगापार में कन्हैया लाल पांडेय, अश्वनी दुबे के रूप में दो बार ब्राह्मण अध्यक्ष बनाने के बाद पिछली बार कविता पटेल को यहां का अध्यक्ष बनाया। पिछड़ी जाति की कविता पार्टी की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं तो इस बार यहां से पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान को अध्यक्ष बनाया गया है। निर्मला अनुसूचित जाति की वरिष्ठ नेता भी हैं। चर्चा इस बात की भी है कि पार्टी ने रविवार को जिन नेताओं को अध्यक्ष बनाया वह सभी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी माने जाते हैं। ऐसे में यह माना जा रहा है पार्टी संगठन ने अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के नाम का चयन डिप्टी सीएम से विचार विमर्श के बाद ही लिया है।

संगमनगरी के युवा ने डिजाइन की देश की पहली सुपर इलेक्ट्रिक कार, एक बार चार्ज करने पर 200 किमी तक चलेगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। संगमनगरी के युवा ने देश की पहली सुपर इलेक्ट्रिक कार डिजाइन की है। थंडर नाम वाली कार बनाने में सिर्फ 16 लाख खर्च हुए हैं। सर्वाधिक सस्ती सुपर कार

होने का दावा है। बीटेक की पढ़ाई छोड़कर अभिषेक वैराग्य कार बनाने में जुट गए। चार साल में कार बनाकर पेश की है। संगमनगरी के एक युवा ने देश की पहली इलेक्ट्रिक सुपर कार डिजाइन की है। थंडर नाम वाली इस कार के प्रोटोटाइप की लागत 16 लाख रुपये आई है। 80 किमी प्रति घंटा दौड़ने वाली इस मॉडल कार की असल रफ्तार 250 किमी प्रति घंटा तक जाएगी। यह दुनिया की सबसे सस्ती सुपर कार होना का दावा भी है। इस कार का बाजार मूल्य 50 लाख तक रहने की संभावना है। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन हब और कॅश क्राई की ओर से दो दिवसीय स्टार्टअप समिट में शहर के अशोकनगर निवासी अभिषेक वैराग्य की डिजाइन सुपर कार ने टेक्नोक्रेट ही नहीं, कार निर्माता कंपनियों का भी ध्यान खींचा। देश की पहली सुपर कार के मॉडल रूप को देखकर दूसरी कंपनियों के प्रमोटर भी तकनीकी बारीकियों समझते-पूछते रहे। थंडर नाम की इस कार को डिजाइन करने वाले अभिषेक ने अपनी कंपनी का नाम एवी आटोमोटिव्स रखा है। वह बताते हैं कि एक बार चार्ज हो जाने पर इसकी बैट्री 200 किमी तक चलेगी। अभी इसकी स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा है, लेकिन कुछ बदलाव के साथ इसकी रफ्तार 250 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की उम्मीद है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE कौशलं बलम् NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
ALL TYPE PRINTING SOLUTION Enjoy Publicity M. 9161136311, 9335136805

प्रदेश आस/पास

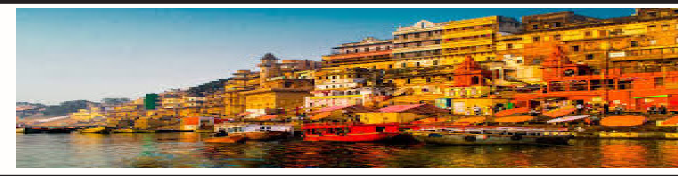

भारत

स्वर्णकार होली मिलन में 31 विभूतियां सम्मानित दृष्टि पांडे व साक्षी सिंह के गीतों ने मन मोहा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। सेवारत स्वर्णकार संस्थान का भव्य होली मिलन समारोह सूर्या सभागार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर 31विभूतियों को प्रशस्ति पत्र व माल्यार्पण करके सम्मानित किया गया। भजन गायिका दृष्टि पांडे व लोक गायिका साक्षी सिंह के गीतों ने लोगों को थिरकने पर मजबूर किया। होली मिलन समारोह में में सामाजिक सेवा, नृत्य,गायन के लिए लावण्या सोनी, दृष्टि पांडे, साक्षी सिंह, समृद्धि सोनी, विजय रस्तोगी, इन्द्र कुमार वर्मा, डाक्टर सियाराम वर्मा, डाक्टर विजय रस्तोगी,भौमेश कुमार,राजन रस्तोगी, शशि रस्तोगी, दुर्गा प्रसाद वर्मा, अमित सिंह,दीप सोनी,राज कुमार वर्मा, नीरज सोनी,रजत सोनी, राकेश रस्तोगी, केदारनाथ शास्त्री, सतीश सोनी को सम्मानित किया गया। होली मिलन समारोह में पूर्व प्रधानाचार्य शिव नारायण सोनी ने कहा कि आज हम सब मिलकर समाज के बेहतरी के कार्य करें, उन्होंने अमर शहीद लालचन्द्र स्वर्णकार, राना बेनी माधव सिंह,बीरा पासी, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, जायसी की सेवाओं से सीख लेकर नयी पीढ़ी में संस्कार डालने की सीख दी। समारोह में ई विजय रस्तोगी, संस्थान के संरक्षक भौमेश कुमार, अध्यक्ष शिव शरण लाल वर्मा ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक सेवा में समर्पित होने की अपील की। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन लोक गायक अमित सिंह द्वारा होली गीतों के साथ किया गया। संगठन के महामंत्री गोविंद सोनी ने समारोह संयोजन सहित संचालन में सक्रिय सहयोग दिया। आभार व अध्यक्ष का सम्बोधन डाक्टर सियाराम वर्मा द्वारा हुआ।

डीएम-एसपी ने तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 47 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 07 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराएं। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जय दुर्गे कुष्ठ सेवा आश्रम के 50 परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। इनर व्हील क्लब ने सदस्यों ने बच्चों को गिफ्ट दिया मासूमों के खिले चेहरे दिनांक 17 मार्च को इनरव्हील क्लब रायबरेली द्वारा जय दुर्गे कुष्ठ सेवा आश्रम हनुमंतपुरम जो कि अहियारायपुर में स्थित है उसमें इनरव्हील क्लब रायबरेली अध्यक्षा दीप्ति सिकरिया के नेतृत्व में इनर व्हील क्लब के सदस्यों ने जय दुर्गे कुष्ठ सेवा आश्रम के 50 परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित किया गया खाद्य सामग्री में 11 किलो देशी घी, 50 किलो चावल,50 किलो आटा , 50 चीनी , 1 कुंटल आलू , 2 टीन रिफाइंड व चिप्स पापड़ दालमोट एवं विभिन्न प्रकार की 11 किलो मिठाईयां क्लब के सदस्यों ने सभी आश्रम की माताओं बहनों व बच्चों को होली की बधाई दी। इस अवसर पर इनरव्हील की अध्यक्षा दीप्ति सिकरिया के साथ सचिव विनीता राजपाल तथा आशा सिंह प्रिया मुरारका, लता सिंह, निधी मेहरोत्रा,शिखा त्रिवेदी आशा सिंह जी लता सिंह पूनम कपूर निधी मेहरोत्रा शिखा त्रिवेदी विनीता राजपाल कार्यक्रम में उपस्थित रही

अस्सी से राजघाट तक 15 बजड़ों पर सजेगी संगीत की महफिल, गंगा की लहरों पर कल मनाया जाएगा जश्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। बुढ़वा मंगल गीत, गुलाल और खुशियों का जश्न है। होली के बाद पहले मंगलवार यानी कल 18 मार्च को काशी में उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान अस्सी से राजघाट तक गंगा की लहरों पर बजड़े सजाए जाएंगे। फूलों की लड़ियों से सजी नाव-बजड़े, चांदनी-मसनद, शमादान और गलीचे पर सजी संगीत की महफिल। गुलाब की भीनी-भीनी खुशबू। लाल-पीले गुलाल से रंगे चेहरे। जी... ऐसा नजारा होली के बाद काशी के बुढ़वा मंगल का होता है। होली के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार को यानी 18 मार्च को बुढ़वा मंगल का ये उत्सव मनाया जाएगा। अस्सी से राजघाट तक बजड़ों पर बुढ़वा मंगल की महफिल सजेगी काशी में गीत, गुलाल, और खुशियों के साथ बुढ़वा मंगल का अनोखा जश्न मनाया जाता है। ये काशी की संस्कृति और परंपरा का ही प्रतीक है। जब लोग अपने घरों से निकलकर बनारस के गंगा घाट पहुंचते हैं और बजड़े पर सजी संगीत की महफिल में रंग, अबीर-गुलाल के साथ खुशियों का जश्न मनाते हैं। पक्का महाल के 78 वर्षीय बच्चेलाल ने बताया कि होली के बाद काशी के लोगों में एक अनोखी खुमारी छाई रहती है, जो बुढ़वा मंगल के साथ समाप्त होती है। यह परंपरा कई साल पुरानी है और बनारस आज भी इसे संजोए हुए है। इस त्योहार को लोग होली के समापन के रूप में भी मनाते हैं। कई घाटों पर होता है परंपरा का निर्वहन होली के बाद पड़ने वाले पहले मंगलवार को बनारस के कई घाटों पर इस परंपरा का निर्वहन होता है। दशाश्वमेध घाट से अस्सी घाट तक बुढ़वा मंगल की खुमारी में लोग डूबते उतराते हैं। गंगा नदी में खड़े बजड़े में लोकगायक अपनी प्रस्तुति देते हैं। इसमें बनारस और आसपास के जिलों के कई लोकगायक कलाकार शामिल होते हैं। बनारसी घराने की होरी, चैती, ठुमरी से शाम सुरीली हो उठती है। होली की मस्ती के बाद, बनारसी जोश के साथ लोग अपने पुराने काम के ढर्रे पर लौट जाते हैं बिरहा गुरु विष्णु यादव ने बताया कि काशी के गंगा घाटों पर होली के बाद का जश्न बुढ़वा मंगल के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गंगा घाटों पर सजी संगीत की महफिल में कलाकारों की प्रस्तुति को देखने के लिए आमजन बड़ी संख्या में जुटते हैं। देश-विदेश से सैलानी भी बनारस की इस परंपरा का लुत्फ उठाते नजर आते हैं। बुढ़वा मंगल केवल गीत-संगीत ही नहीं, बल्कि खानपान, गुलाल और पहनावे का भी जश्न है। इस दिन बनारसी नए सफेद रंग के परिधान पहनकर पहुंचते हैं और कुल्हड़ में ठंडाई और बनारसी मिठाई का स्वाद उठाते हैं।वर्षों से इस रंगारंग कार्यक्रम के गवाह बनते आ रहे मंगरू यादव बताते हैं कि होली के बाद तो हम लोगों को बुढ़वा मंगल का इंतजार रहता है।

दिव्यांगजन पेंशनर्स 22 मार्च तक अपने दस्तावेज करें जमा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रायबरेली मोहन त्रिपाठी ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन पेंशन / कुष्ठावस्था पेंशन प्राप्त कर रहे ऐसे समस्त दिव्यांगजनों से कहा है कि अभी तक जिन्होंने अपनी दिव्यांगजन पेंशन से आधार प्रमाणीकरण (के0वाई0सी0) नहीं कराई गई वे दिव्यांगजन 22 मार्च 2025 तक अपना आधार कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र व बैंक पासबुक की छायाप्रति कार्यालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास भवन रायबरेली में जमा करें अन्यथा आपकी दिव्यांग पेंशन वित्तीय वर्ष 2024-25 में आपके खातो में आना सम्भव नही होगा। साथ ही अपनी सम्बन्धित बैंक शाखा में जाकर यह भी जानकारी प्राप्त कर ले कि आपके बैंक खाता संख्या को आपके आधार कार्ड से लिंक किया गया है अथवा नहीं यदि न किया गया हो तो बैंक में अपने खाते को डी0बी0टी0 (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रान्सफर) के द्वारा पेंशन प्राप्त करने के लिए नेशनल पेमेन्ट कॉपोरेशन ऑफ इण्डिया (एन0पी0सी0आई0) पोर्टल पर तत्काल लिंक करा। विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में दिव्यांगजन पेंशन की अवशेष किश्तो का भुगतान उन्ही दिव्यांगजनों को किया जायेगा जिन्होंने दिव्यांगजन पेंशन के लिए जरूरी के0वाई0सी0 हेतु अपना आधार कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं बैंक की फोटो कापी कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास भवन रायबरेली में जमा करा दी है।

निशुल्क 1 वर्षीय कार्यालय प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश हेतु करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली के अधीन उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र के अप्रैल-2025 से प्रारम्भ होने वाले सत्र में निःशुल्क एक वर्षीय ठकार्यालय प्रबन्ध प्रशिक्षणण का यक्रम में प्रवेश हेतु अनुसूचित जाति/ जनजाति एवं पिछड़ी जाति के पुरुष एवं महिला अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। इस प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल में अंग्रेजी एक विषय सहित इण्टरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, एवं आयु सीमा 18 से 35 वर्ष, छूट नियमानुसार (01.04.2025) को होनी चाहिए। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत आशुलिपि, टंकण, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा, सामान्य ज्ञान, सामान्य गणित, तर्कशक्ति सचिवीय पद्धति, बुक कीपिंग, एवं एकाउन्टेंसी, कम्प्यूटर परिचालन आदि विषयों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। इच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रमाणित फोटो एवं प्रमाण पत्रों की प्रतियों सहित विलम्बतम दिनांक 22 मार्च 2025 तक जमा कर सकते है। उक्त वर्ग के विकलांग अभ्यर्थियों को 3 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा एवं नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जायेगी। आवेदन पत्र का प्रारूप जिला सेवायोजन कार्यालय के सूचना पट पर उपलब्ध है। प्रवेश हेतु साक्षात्कार अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिये 24 मार्च 2025 एवं अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 25 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे से सेवायोजन कार्यालय प्रांगण में होगा। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, रायबरेली से सम्पर्क करें। प्रशिक्षण की अवधि में अभ्यर्थी को कहीं भी अध्ययनरत अथवा नियोजित नहीं होना चाहिए। इस हेतु कोई मार्ग व्यय देय न होगा।

बच्चों को दुलार, सेहत की चिंता के साथ लाभार्थियों को राज्यपाल ने दी सौगात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। महराजगंज कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, किया गया। इसके बाद वह मुख्य सड़क मार्ग से होते हुए कलक्ट्रेट में पहुंचीं, जहां उनका स्वागत किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद राज्यपाल ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के उद्देश्य से प्री-स्कूल किट का वितरण किया। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, भूमि पट्टा, आंगनबाड़ी किट और पोषण पोटली वितरित की। इस

जिसके बाद राज्यपाल ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के उद्देश्य से प्री-स्कूल किट का वितरण किया। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का सोमवार को जनपद में आगमन हुआ। पुलिस लाइन परिसर में उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल , पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, जिलाधिकारी अनुनय झा, पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा, मुख्य विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

पेप्सी की बोतल में मिला था कांच का टुकड़ा 1.5 लाख का जुर्माना; 14 साल बाद आयोग ने दिया ये आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। यह मामला 14 साल पहले यानी 2010 का है। उपभोक्ता की शिकायत पर आयोग ने पेप्सिको

इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड पर जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता का आरोप था कि कंपनी की लापरवाही से जान भी जा सकती थी।यह मामला 14 साल पहले यानी 2010 का है। उपभोक्ता की शिकायत पर आयोग ने पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड पर जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता का आरोप था कि कंपनी की लापरवाही से जान भी जा सकती थी। उपभोक्ता आयोग के रीडर स्वतंत्र रावत ने बताया कि जौनपुर के साकिन परियत निवासी रामलाल गुप्ता ने 15 अगस्त, 2010 को मोढ़ बाजार पहुंचा। जहां उसकी मुलाकात उसके परिचित मिठाई लाल और रईस अहमद से हुई। तीनों बाजार स्थित लालचंद हलवाई की दुकान पर पहुंचे और पेप्सी की तीन बोतल लीं। आरोप है कि एक बोतल से खनखनाहट की आवाज आने पर गौर से देखा तो उसमें कांच का टुकड़ा दिखाई दिया। इस पर ऐतराज जताया तो दुकानदार ने इसे कंपनी की लापरवाही बताया और उसे लिखकर भी दिया। जिसके बाद पीड़ित ने उसे 50 रुपये अतिरिक्त देकर बोतल भी खरीद ली इसके बाद पीड़ित ने तीन नवंबर, 2010 को पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र जौनपुर के प्रबंधक और दुकानदार लालचंद हलवाई के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कोर्ट में साक्ष्य के रूप में बोतल और दुकानदार की लिखा कागज भी रखा। उपभोक्ता का आरोप था कि कंपनी की लापरवाही से जान भी जा सकती थी। वहीं, अब वह किसी को शीतल पेय नहीं पिलाता, जिसके कारण उसकी सामाजिक क्षति भी हुई है। मामले की गंभीरता को समझते हुए 16 फरवरी, 2020 को उपभोक्ता आयोग ने कंपनी के पेप्सिको इंडिया कंपनी पर 1.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

गोदाम मे लगी आग, करोड़ो का सामान जलकर खाक, फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। मोहनसराय गोदाम में अचानक लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। रोहनिया मोहनसराय बैरवन में जीआरपी लॉजिस्टिक्स व दीपक ट्रांसपोर्ट एजेंसी का गोदाम है जिसमें विभिन्न कंपनियों का माल रखा जाता था आज शाम को अचानक गोदाम में आग लग गई जिससे करोड़ों का सामान जलकर खाक हो गया गोदाम के मालिक मिर्जापुर निवासी अश्वनी पांडे ने बताया कि दो ट्रक वापी गुजरात से जीरो कंपनी का माल लेकर आई थी। हम मोहन सराय

पुलिस चौकी के पीछे अन्य ट्रक से समान उतरवा रहे थे तभी एक चालक ने बताया कि आपकी गोदाम में आग लग गया है हम लोग भाग कर आए तो देखा कि गोदाम में भयंकर आग लगा था ट्रक भी आज की चपेट में आ गई जिससे दोनों ट्रक और गोदाम में रखे सामान जलकर खाक हो गए। सैंकड़ों कंपनी सहित तमाम कंपनियों के माल अंदर रखे हुए थे जिसमें मिक्सर थर्मो स्टील बॉटल सहित 2 हजार भरे हुए सामानों से कार्टून थे सब जलकर खाक हो गया लगभग ढाई करोड़ का सामान जलकर नुकसान हुआ है बताया कि सूचना देने के लगभग डेढ़ घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आई है मौके पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां आग बुझा रही हैं।

29 साल बाद लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर गंगा पुल की होगी मरम्मत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ । उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने सोमवार को हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय में प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि करीब 800 मीटर लंबे पुल पर स्टील टर्फ लगे हैं। इन्हें बदलकर 1560 एमबी स्लीपर लगाए जाएंगे। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन 20 मार्च से कानपुर रेलखंड पर स्थित गंगा पुल की मरम्मत शुरू करेगा। यह काम 29 साल बाद किया जा रहा है। वर्ष 1996 में पिछली बार पुल की मरम्मत हुई थी। मरम्मत कार्य के चलते 30 अप्रैल तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा।42 दिनों तक झांसी, हावड़ा, मुंबई, पुणे, गोरखपुर आदि रूटों पर चलने वाली नीलांचल, शताब्दी एक्सप्रेस समेत 74 ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। उत्तर रेलवे की नौ ट्रेनें निरस्त रहेंगी। मरम्मत कार्य के बाद ट्रेनों को रफ्तार मिल सकेगी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि करीब 10 किमी लंबे रेलमार्ग पर कॉशन लगा है। इससे ट्रेनों को धीमी गति से चलाना पड़ता है। मरम्मत के बाद ट्रेनों की रफ्तार बढ़ सकेगी। उन्होंने बताया कि 42 दिनों तक रोजाना नौ घंटे सुबह आठ से शाम पांच बजे तक मेंटेनेंस का काम होगा। इस दौरान उत्तर रेलवे की नौ ट्रेन निरस्त व 17 ट्रेनों को बदले रूट से चलाया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे की 39 ट्रेनें बदले रास्ते से चलेंगी।

पशु तस्कर की पुलिस से मुठभेड़, बदमाश - दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ाए तस्कर से खंगाले जा रहे तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

वाराणसी। सोमवार भोर में पुलिस और पशु तस्कर के बीच मुठभेड़ में फायरिंग हो गई। पशु तस्कर जवाबी फायरिंग में घायल हो गया। एक दिन पहले गोरखपुर का वांटेड पशु तस्कर दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार हुआ था। ये भी मूल रूप से कुशीनगर का ही था। कुशीनगर जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात पुलिस और पशु तस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली से पशु तस्कर घायल हो गया। पुलिस ने पशु तस्कर की पहचान पडरौना कोतवाली के बाहिया गांव निवासी

नूर बसर के रूप में हुई। घायल तस्कर का इलाज मेडिकल कालेज में चल रहा है।इसके पहले, लुकआउट नोटिस पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट दिल्ली से शनिवार को गोरखपुर जिले के इनामी पशु तस्कर को सुरक्षा कर्मियों ने दबोच लिया था। उसकी पहचान कुशीनगर जिले के तुर्कपट्टी थाना के लाला गुरवलिया शेख टोला निवासी नासिर सोनू शेख उर्फ नासिर राजा उर्फ शाहिद आलम के रूप में हुई। दिल्ली से ट्रांजिट रिमांड पर रविवार को रामगढ़ताल थाना पुलिस उसे गोरखपुर लेकर आई। पूछताछ के बाद उसे स्पेशल कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया गया।

डीएम से लगाई फर्जी ऑपरेशन कर ठगने की फरियाद सीएमओ ने मारा छापा- अस्पताल बंद कर संचालक फरार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गोरखपुर। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि रीना देवी की बाईं किडनी में पथरी है। 16 फरवरी को ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को कर संचालक फरार हो गया। सीएमओ संचालक पर केस दर्ज कराने की बात कही है। धर्मेधा गांव के रहने वाले हरिश्चंद्र ने 12 मार्च को डीएम को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि पत्नी रीना देवी को पेट दर्द की शिकायत थी। 10

पथरी दिखाते हुए दावा किया कि मरीज की किडनी से इसे निकाला गया है। एक व्यक्ति ने डीएम से आर्यन हास्पिटल पर फर्जी आपरेशन करने और साढ़े चार लाख रुपये ठगने का आरोप लगाकर शिकायत की थी। डीएम ने इसकी जांच सीएमओ को सौंपी थी। सीएमओ ने सोमवार को आर्यन हास्पिटल पर छापेमारी की। तो अस्पताल बंद फरवरी को बघौली स्थित आर्यन हास्पिटल में बेहतर इलाज के लिए वे अपनी साली अंजनी के कहने पर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि रीना देवी की बाईं किडनी में पथरी है। 16 फरवरी को ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को पथरी दिखाते हुए दावा किया कि मरीज की किडनी से इसे निकाला गया है। इलाज के नाम पर परिजनों से कुल 4.50 लाख रुपये वसूले गए। 24 फरवरी को डिस्चार्ज होने के बाद रीना देवी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी उन्हें सीने में झटके, तेज दर्द और हार्ट संबंधी दिक्कतें होने लगीं। जब परिजनों ने दोबारा अस्पताल में संपर्क किया, तो हर बार नई दवाएं देकर उन्हें वापस भेज दिया गया। जब हालत में सुधार नहीं हुआ, तो परिजनों ने दूसरी जगह जांच कराई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि रीना देवी की किडनी में पहले की तरह ही पथरी मौजूद थी यानी, ऑपरेशन किया ही नहीं गया, केवल पेट चीरा गया और झूठे दावे किए गए। उन्होंने सीएमओ और डीएम को पत्र देकर अस्पताल पर कार्रवाई की मांग की थी। डीएम के निर्देश पर सोमवार को सीएमओ ने टीम के साथ छापेमारी की तो अस्पताल पर ताला लटक रहा था। इसके बाद टीम वापस लौट आई7 आर्यन हास्पिटल पर छापेमारी की गई है। अस्पताल बंद मिला। अस्पताल संचालक के विरुद्ध केस दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी।

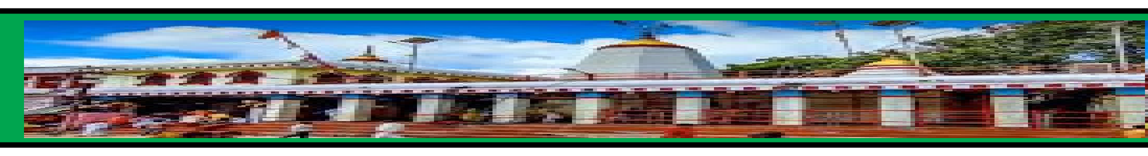

जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती है-आरपी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा सोनभद्र। हिण्डाल्को रेनुसागर के तत्वाधान में केमिकल लैब के पास स्थित मैदान में आयोजित जल संरक्षण माह 2025 कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि हिंडाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने फीता काट कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि हिंडाल्को रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने सभी कर्मचारियों भाइयों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुये अपने सम्बोधन में कहा कि ठजल है तो कल है बावजूद कुछ लोगों द्वारा जल वेवजह बर्बाद किया जाता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये हैं ठ्जल ही जीवन हैठ्। ठजल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती हैठ, जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है।इसके पूर्व अजय मिश्रा ने जल संरक्षण की कर्मचारियों को शपथ दिलाई।ततपश्चात मंच का संचालन कर रहे पर्यावरण विभाग के हेड कमलेश मौर्या ने उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का आभार ब्यक्त करते हुए जल संरक्षण माह 2025 में होने वाले विविध कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम समापन के पूर्व जागरुकता हेतु जल संरक्षण रथ 2025 को मुख्य अतिथि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस मौके पर हेड मानव संसाधन विभाग शैलेश विक्रम सिंह,विभागाध्यक्ष मानव संसाधन प्रणव सोनी,आईटी हेड ललित खुराना,इंजीनियरिंग हेड समीर आनन्द,सुरक्षा हेड अरविंद सिंह,सतनाम सिंह,नीशू सचान सहित भारी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

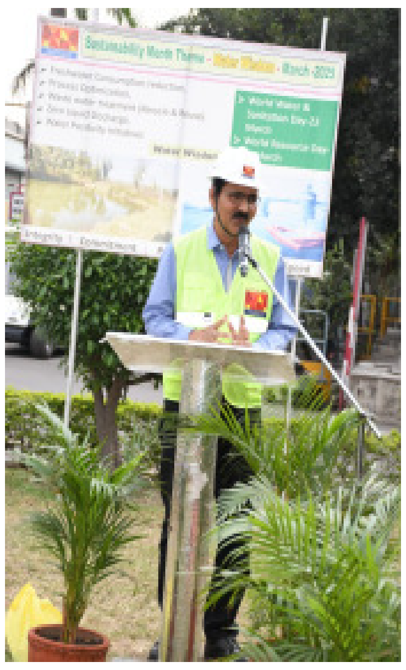

ओबरा में स्पा सेंटर सील, कूटरचित लाइसेंस की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ओबरा नगर के शारदा मंदिर चौराहे के समीप संचालित एक स्पा सेंटर पर सोमवार को पुलिस-प्रशासन की संयुक्त टीम पहुंची। एसडीएम के नेतृत्व में टीम ने सेंटर की जांच की। कूटरचित लाइसेंस की आशंका में सेंटर को सील कर दिया गया। देर शाम तक अफसर इसकी छानबीन में लगे रहे। स्पा सेंटर की आड़ में अनधिकृत गतिविधियों की शिकायत पर एसडीएम विवेक सिंह फोर्स के साथ दोपहर में मौके पर पहुंचे। टीम सीधे अंदर घुसी और वहां मौजूद मकान मालिक समेत दो लोगों को हिरासत में लिया। सेंटर के लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज भी खंगाले। काफी देर तक मौके पर छानबीन के बाद टीम ने सेंटर को सील कर दिया। एसडीएम विवेक कुमार सिंह ने बताया कि स्पा सेंटर की आड़ में यहां पर अनधिकृत कार्यों की शिकायत मिली थी। इसी की जांच की जा रही है। फिलहाल स्पा सेंटर का लाइसेंस कूटरचित एवं फर्जी लग रहा है। सेंटर को सील कर कार्रवाई की जा रही है।

थाना घोरावल पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट में फरार चल रहे, 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी

रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण/नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक-18.03.2025 को ग्राम राजगढ़ (झरकटवा) थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर से समय करीब 00.50 बजे, मु0अ0सं0- 33/2025 धारा 64(2)(श्), 137(2), 87 बीएनएस व 5थ्/6 पॉक्सो एक्ट (नाबालिक लड़की को बहला फुसला कर भगा ले जाने तथा बार-बार दुराचार किये जाने) से सम्बन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त विजय पुत्र लल्लन विन्द उर्फ कृपाशंकर विन्द निवासी ग्राम राजगढ़ (झरकटवा) थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर उम्र करीब 23 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-
विजय पुत्र लल्लन विन्द उर्फ कृपाशंकर विन्द निवासी ग्राम राजगढ़ (झरकटवा) थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर उम्र करीब 23 वर्ष ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः-
1.उ0नि0 अजय कुमार श्रीवास्तव चौकी प्रभारी कस्बा थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 2.हे0का0 ओमप्रकाश यादव थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 3.हे0का0 राजीव कुमार चौकी कस्बा थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 4.का0 नितेश कुमार चौकी कस्बा थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 5.का0 राहुल गोंड़ थाना घोरावल जनपद सोनभद्र। 6.म0आ0 पूनम कुमारी थाना घोरावल जनपद सोनभद्र।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। 17 मार्च 2025 - कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर

कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन में लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के साथ एवं समयसीमा मे निराकरण किया जाए। शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में शिकायत अनअटेंडेड न रहे अधिकारी शिकायत को अटेन्ड करें तथा सतुष्टिपूर्वक शिकायत का निराकरण करना सुनिश्चित करें।बैठक में कलेक्टर ने जिले में लंबित समाधान ऑनलाईन पोर्टल पर शिकायतों की भी समीक्षा की तथा शिकायतों के निराकरण हेतु संबंतिध विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने 50 दिवस एवं 100 दिवस से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों के निराकरण करने के निर्देश भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अवमानना प्रकरणों की भी जानकारी ली तथा अधिकारियो को निर्देश दिए कि अवमानना के प्रकरणों के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग,जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, अनुविभागीय अधिकारी जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

म्यांमार में बंधक बना युवक घर पहुंचा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पिपरी नगर निवासी एक युवक को म्यांमार से वापस लाया गया है। वह ठगों के जाल में फंसकर नौकरी के लिए म्यांमार पहुंच गया था। वहां उसे बंधक बना लिया गया था। सकुशल घर वापसी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है।प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से नौकरी के नाम पर ठगों के जाल में फंसकर 22 लोग म्यांमार पहुंचे थे। वहां उन्हें बंधक बना लिया गया था। सरकार के सहयोग से 22 युवकों को छुड़ाया गया था। उन्हें वापस भारत लाया गया। इसमें जिले के पिपरी निवासी शाहजहां खान भी था।वह पिपरी निवासी काजिम खान का बेटा है। ठगों के जाल में फंसकर वह थाईलैंड के रास्ते में म्यांमार पहुंचा था। उसके पिता ने बताया कि शाहजहां अपने किसी दोस्त के संपर्क में आकर म्यांमार चला गया था, लेकिन अब वह सकुशल वापस आ गया है। उन्होंने इसके अलावा इस संबंध में कोई अन्य जानकारी नहीं दी। पड़ोसियों ने बताया कि युवक बाहर ही रहता है और कभी कभार घर आता है।

पाइप बोरिंग से निकालते समय हाईटेंशन तार से सटा, मिस्त्री की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पन्नूगंज थाना क्षेत्र के सिधुआरी गांव में बोरिंग से बाहर निकालते समय लोहे का पाइप हाईटेंशन तार को छू गया। जिससे मिस्त्री की मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुटी है। सिंधुआरी गांव निवासी बूल्लू धोबी के घर में लगा हैंडपंप कुछ दिनों से खराब था।इसे बनाने के लिए मगरहथा निवासी मिस्त्री दशमी राम (55) सोमवार पहुंचा था। बोरिंग से बाहर निकालते समय लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार में छू गया। उसमें प्रवाहित करंट की चपेट में आने से दशमी गंभीर रूप से झुलस गया।जब तक आस-पास के लोग इकट्ठा होकर कुछ समझते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चतरा ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पन्नूगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

शिक्षा के माध्यम से समाज का होगा सर्वोत्तम विकास - पंकज सिंह चेरो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । चेरो आदिवासी राजवंश के तत्वाधान में महाराजा मेदिनी राय चेरो शिक्षण संस्थान,उद्घाटन समारोह -रविवार स्थान-ग्राम धवराबाथान,निगाई-कोन में सदानंद सिंह चेरो के सानिध्य में आहुति की गई है।वरिष्ठ समाजसेविका कबूतरी देवी चेरो,गढ़वा झारखंड ने शिक्षण संस्थान की उद्घाटन महाराजा मेदिनी राय चेरो के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर बच्चों में कापी और कलम वितरित करके की।जिसमें राबर्ट्सगंज से एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद मौर्य, रविन्द्र कुमार मौर्य,ग्राम प्रधान निगाई प्रतिनिधि विनोद कुमार गुप्ता राकेश सिंह चेरो,विनोद सिंह चेरो,भगवान सिंह,अमर सिंह,राजेंद्र सिंह,बुद्धिनारायण आदि लोग मौजूद थे।

कई दिनों के बाद खुले कार्यालय तो शहर जाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। होली के अवकाश के बाद सोमवार को दफ्तर खुलते ही शहर

की सड़कों पर वाहनों का रेला उमड़ पड़ा। कई इलाकों में वाहनों की कतारें लग गईं, जिससे घंटों लोगों को जाम से जूझना पड़ा।होली का अवकाश समाप्त होने के बाद कार्यालय खुलते ही लोग शहर में आ गए। सोमवार को शहर के ज्यादातर मार्गों पर भीषण जाम रहा। एक से दो किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लग गए। सबसे अधिक जाम कचहरी को जोड़ने वाले मार्ग पर रहा। इसके अलावा मंडलीय अस्पताल, वासलीगंज, इमामबाड़ा, तेलियागंज व पथरहिया मार्ग पर भीषण जाम रहा। वहीं, रमईपटट्टी, मोर्चाघर, स्टेशन रोड, भरूहना आदि मार्ग पर वाहन रेंगते नजर आआ। जाम को समाप्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ होमगार्ड व पीआरडी के जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

चहारदीवारी और गेट गिराने के आरोप मे सभासद सहित तीन नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज अश्विनी ठाकुर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अनपरा (सोनभद्र)। भूमि कब्जा करने के लिए होली पर लगा डीजे मौका देखकर युवकों ने चहारदीवारी डीजे लगाकर युवकों की भीड़ एकत्रित की गई तत्पशाचत अपराह्न में सभासद सुमित सोनी, अक्षय चौबे, गोलू आदि ने दर्जनों युवकों मेरी पूरी भूमि कब्जा करना चाहते है जिसके लिए उन्होंने युवकों का गैंग बनाकर होली के दिन जमीन कब्जा करने की नियत से होली के

और गेट क़ो किया जमीदोज पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर सभासद सहित तीन नामजद और आधा दर्जन अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा किया दर्ज, मचा हड़कम पीड़ित उदय कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस क़ो दिए तहरीर मे आरोप लगाया है कि नगर पंचायत अनपरा के वार्ड नंबर 14 मे उनकी दो बीघा पुस्तैनी जमीन है जिस पर कुछ लोगो की कब्जा करने की काफी दिनों से नज़र है त् होली के दिन पहाड़ी स्थित उनकी जमीन के पास के साथ मौके पर आकर चहारदीवारी को गिराते हुये लोहे के गेट को भी गिरा दिया। जब उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो मनबढ़ युवकों ने पूरे परिवार के प्रति अपशब्दों का प्रयोग करते हुए अंजाम भुगतने का धमकी देते हुए चले गए त् उदय श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने नगर पंचायत के आग्रह पर ओपन जीम के लिए अपनी जमीन भी दी है इसके बावजूद अनपरा नगर पंचायत के सभासद सुमित सोनी अपने साथियो के साथ मिलकर दिन उनकी दीवार व गेट क़ो जमीदोज किया है उन्होंने कहा कि इस घटना से उनका पूरा परिवार भयभीत है त् रेणुसागर चौकी प्रभारी राजेश सिंह ने पीड़ित कि शिकायत पर घटना स्थल का जायजा लेते हुए कार्रवाई के आश्वासन दिए थे त् अनपरा कोतवाल शिव प्रताप वर्मा ने बताया कि तीन नामजद सहित आधा दर्जन अज्ञात युवक़ो क़ो खिलाफ विभिन्न धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दस दिन से सबमर्सिबल पंप खराब, पी रहे गंदा पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। साहब, पिछले दस से सबमर्सिबल पंप खराब है। प्रधान और सेक्रेट्री से कहने के बाद भी अब तक उसे ठीक नहीं कराया जा सका। पीने के लिए पानी नहीं मिल रहा और न ही कोई सुन रहा। दूषित पानी पीने को विवश होना पड़ रहा है। सोमवार को रॉबर्ट्सगंज तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नगवां ब्लॉक के कूदर गांव से पहुंचे रामदुलारे, रामजीत, रामअवतार सहित अन्य ग्रामीणों ने यह फरियाद लगाई। सुनवाई करते हुए एडीएम सहदेव मिश्र ने मामले में नगवां बीडीओ को तत्काल कार्रवाई के लिए निर्देशित किए। मधुपुर के बुधनगर निवासी आरती देवी, प्रमोद सिंह, कपिल मौर्य आदि ने बस्ती में संचालित शराब की दुकान हटवाने की मांग की। कहा कि दिन भर शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। वह आते-जाते महिलाओं-लड़कियों पर छींटाकशी करते हैं। कम उम्र के बच्चे भी नशे के आदी हो रहे हैं। ग्राम कोइरी निवासी श्याम सुंदर ने सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण से हो रही परेशानी बताते हुए समाधान की मांग की। दोपहर साढ़े 12 बजे तक यहां 24 प्रार्थना पत्र पहुंचे थे। हालांकि समापन तक

प्रार्थना पत्रों की संख्या 48 हो गई। मौके पर सात मामलों का निस्तारण करते हुए अन्य शिकायतें संबंधित विभागों को सुपुर्द किया गया। इस मौके पर एएसपी कालू सिंह, एसडीएम उत्कर्ष द्विवेदी, तहसीलदार अमित कुमार आदि मौजूद रहे। वहीं ओबरा में एसडीएम विवेक कुमार की अध्यक्षता में शिकायतें सुनी गईं। कुल 20 प्रार्थना पत्रों में से सिर्फ दो का ही निस्तारण हुआ। दुद्धीः एडीएम नमामि गंगे रोहित यादव की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 25 फरियादी पहुंचे। इसमें एक मामले का समाधान किया गया। इस मौके पर एसडीएम निखिल यादव, तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव, बीईओ महेंद्र मौर्य, एसडीओ विद्युत तीर्थराज आदि मौजूद रहे।घोरावल तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम बद्रीनाथ सिंह और एसपी अशोक कुमार मीणा ने शिकायतें सुनीं। इस दौरान अधिशासी अभियंता नलकूप, डीआईओएस, बीएसए, नगर पंचायत के ईओ, जिला उद्यान अधिकारी अनुपस्थित रहे। डीएम ने उन्हें स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाए जाने पर एक दिन का वेतन अवरोध किया जाएगा। डीएम ने सभी फरियादियों की शिकायतों के निस्तारण के बाद उनका फीडबैक भी अनिवार्य रूप से लेने के निर्देश दिए।

3 जोड़ों की हुई काउंसलिंग, पति-पत्नी साथ में रहने के लिये हुए राजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 3 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए तथा 02 प्रकरण में अग्रिम

तिथि नियत की गयी है। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

संयुक्त अधिवक्ता महासंघ का 22/23 मार्च को दो दिवसीय सम्मेलन ओरछा में--राकेश शरण मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम एवम अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 सहित अधिवक्ता हितों से सबंधित अनेकों ज्वलंत बिंदुओं

पर गहन विचार विमर्श हेतु मध्य प्रदेश के राजा राम चंद्र सरकार की नगरी ओरछा में संयुक्त अधिवक्ता महासंघ का दो दिवसीय मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश का संयुक्त अधिवेशन दिनांक 22 एवम 23 मार्च को होटल आदित्य पैलेस में आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राकेश शरण मिश्र ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। श्री मिश्र ने बताया कि संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के दो दिवसीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों सहित दर्जनों राष्ट्रीय पदाधिकारी भी शिरकत कर रहे हैं जिसमे अधिवक्ताओं की बहुप्रतिक्षित मांग अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम सहित अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 अन्य अधिवक्ता हितों से सबंधित अनेकों बिंदुओं पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा। श्री मिश्र ने बताया कि उक्त अधिवेशन में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के नामचीन वरिष्ठ अधिवक्ताओं का भी बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में आगमन हो रहा है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने संयुक्त अधिवक्ता महासंघ के प्रदेश के पदाधिकारियों सहित प्रदेश के अधिवक्ताओं से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अधिवेशन को सफल बनाएं।

पानी भरने गई बालिका कुएं में गिरी, डूबने से मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मझौली गांव में सोमवार को कुएं में गिरने से सात वर्षीय बालिका की मौत हो गई। पानी निकालने के दौरान पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भलपहरी निवासी लक्षनधारी की पुत्री सोनम (7) दो दिन पहले अपने नानी के घर मझौली गई थी। दोपहर में वह कुएं पर पानी लेने गई। वहां पहले से बाल्टी और रस्सी रखी हुई थी। सोनम कुएं में बाल्टी डालकर रस्सी से उसे खींचने लगी।इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गई। काफी देर तक वह पानी लेकर घर नहीं पहुंची तो नानी बाहर देखने निकली। कुएं में झांककर देखा तो उसका कपड़ा दिखाई दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। लोगों ने किसी तरह से सोनम को कुएं से बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पहुंचे एसआई शिवमूरत यादव ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भिजवा दिया।

औरंगजेब क्रूर था तो गोडसे महाक्रूर, स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा लेकर मिर्जापुर पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्या ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि पहले नाथूराम गोडसे पर चर्चा करें तब औरंगजेब पर टिप्पणी करें। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि यदि औरंगजेब क्रूर था, तो गोडसे महाक्रूर था। उन्होंने कहा कि भाजपा महात्मा गांधी की हत्या पर चर्चा नहीं करती। पहले नाथूराम गोडसे पर चर्चा करें तब औरंगजेब पर टिप्पणी करें। वह सोमवार को संविधान सम्मान व जनहित हुंकार यात्रा लेकर यहां पहुंचे। स्वामी प्रसाद ने पटेल चौक पर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या पर चर्चा नहीं करती। पहले नाथूराम गोडसे पर चर्चा करें तब औरंगजेब पर कोई टिप्पणी करें। सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा वे खुद भ्रमित हैं, दूसरों को दिशा क्या देंगे।उनके पीडीए का फार्मूला बदलता रहता है। कभी पीडीए को अल्पसंख्यक, कभी अगड़ा तो कभी आधी आबादी बताते हैं। कहा कि योगी और अखिलेश में कोई अंतर नही है। सपा सरकार की तरह बीजेपी सरकार में भी गुंडाराज है।

स्पोर्ट्स

सत्र से पहले स्टार खिलाड़ियों की चोट ने बढ़ाई फ्रेंचाइजी की मुश्किलें, टीम संयोजन बना बड़ी चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हों या लखनऊ सुपरजाएंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव, इनके बारे में तय हो चुका है कि ये 22 मार्च से शुरू हो रही लीग के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे, लेकिन ये लीग में खेलेंगे या नहीं, यह अब भी बड़ा सवाल बना हुआ है। लखनऊ के दो अन्य तेज गेंदबाजों मोहसिन खान और आवेश खान की फिटनेस पर भी तस्वीर साफ नहीं है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के उमरान मलिक चोट के कारण बाहर हो गए हैं जिनकी जगह टीम ने चेतन सकारिया को शामिल किया है। वहीं, पंजाब किंग्स के लॉकी यादव, आकाशदीप, मोहसिन खान, आवेश खान, शामार जोसेफ हैं। तेज गेंदबाजी की सनसनी मयंक यादव पर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है कि वह इस सत्र में खेलेंगे या नहीं। वहीं, मोहसिन और आवेश भी एनसीए में पुर्नवास के दौर से गुजर रहे हैं। ये दोनों गेंदबाज अगर लीग के शुरुआती चरण में नहीं

बड़ा सवाल बना हुआ है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें संस्करण को शुरू होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं है, लेकिन मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजाएंट्स समेत कुछ टीमों के खेमों में खलबली की स्थिति है। इसका कारण उनके सितारे क्रिकेटरों का लीग की शुरुआत में पूर्ण रूप से फिट नहीं होना है। पिछले संस्करणों की तरह इस बार भी आईपीएल में क्रिकेटरों की चोटों का साया है। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हों या लखनऊ सुपरजाएंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव, इनके बारे में तय हो चुका है कि ये 22 मार्च से शुरू हो रही लीग के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे, लेकिन ये लीग में खेलेंगे या नहीं, यह अब भी फर्ग्यूसन की फिटनेस भी संदेह के घेरे में है। मुंबई इंडियंस तो अपने दो गेंदबाजों के बदले में दूसरे क्रिकेटर भी बुला चुका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में टेस्ट खेलने के बाद से बुमराह मैदान में नहीं उतरे हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में पुर्नवास के दौर से गुजर चुके हैं, लेकिन गेंदबाजी का कार्यभार उठाने की फिटनेस उन्हें अभी भी प्राप्त करनी है। यही कारण है कि वह लीग के शुरुआती चरण में नहीं खेलेंगे, लेकिन अब तक यह तय नहीं है कि वह पूरे सत्र में खेलेंगे भी या नहीं। मुंबई उनकी वापसी की उम्मीदें लगाए बैठा है। अगर वह नहीं खेले तो मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगेगा। लखनऊ के पास तेज गेंदबाजी विभाग में मयंक खेले तो ऋषभ पंत की अगुआई वाली टीम को नुकसान होगा। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन भी चोटिल चल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार उन्हें आईपीएल के शुरुआती चरण में खेलने की अनुमति मिल गई है और वह जल्द राजस्थान रॉयल्स से जुड़ सकते हैं। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस, आरसीबी के जोश हेजलवुड और दिल्ली कैपिटल्स के मिचेल स्टार्क चोट के चलते ऑस्ट्रेलिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेले थे। हालांकि इन तीनों के आईपीएल में खेलने की संभावना है, लेकिन यह देखना होगा कि ये तीनों अपनी टीमों के लिए किस मैच से उपलब्ध रहेंगे।

पीएसल से ज्यादा आईपीएल को तरजीह देने पर बिफरा पीसीबी, मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी को भेज दिया नोटिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पीसीबी ने कॉर्बिन बॉश को बोर्ड के साथ उनके अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धता के उल्लंघन के लिए कानूनी नोटिस जारी किया है। इस साल 13 जनवरी को लाहौर में आयोजित पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 'प्लेयर्स ड्राफ्ट' के 10वें चरण के दौरान डायमंड श्रेणी में पेशावर जाल्मी द्वारा चुना गया था। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश बहुत जल्द आईपीएल 2025 में खेलते नजर आएंगे। 30 वर्षीय खिलाड़ी को उनके ही देश के लिजाद विलियम्स की जगह मुंबई इंडियंस में शामिल किया गया है। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बॉश को कानूनी नोटिस भेज दिया है। उनका आईपीएल डेब्यू होना बाकी है लेकिन वह रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर

राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रह चुके हैं। पीसीबी ने कॉर्बिन बॉश को बोर्ड के साथ उनके अनुबंध संबंधी प्रतिबद्धता के उल्लंघन के लिए कानूनी नोटिस जारी किया है। इस साल 13 जनवरी को लाहौर में आयोजित पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 'प्लेयर्स ड्राफ्ट' के 10वें चरण के दौरान डायमंड श्रेणी में पेशावर जाल्मी द्वारा चुना गया था। इस महीने की शुरुआत में मुंबई इंडियंस ने घोषणा की कि उसने दक्षिण अफ्रीका के चोटिल लिजाद विलियम्स की जगह लेने के लिए बॉश को टीम में शामिल किया है। बॉश को उनके एजेंट के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा गया था जिसमें खिलाड़ी से पेशेवर और अनुबंध संबंधित प्रतिबद्धताओं से हटने के कदम को उचित ठहराने के लिए पूछा गया है।

फाइनल मैच के दौरान टीनो बेस्ट से भिड़े युवराज सिंह, लारा ने बचाव कर शांत कराया मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में इंडिया मास्टर्स और

वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें इंडिया मास्टर्स की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 (आईएमएलटी20) के खिताबी मुकाबले के दौरान वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज टीनो बेस्ट से भिड़ गए। रविवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में इंडिया मास्टर्स और वेस्टइंडीज मास्टर्स के बीच फाइनल मुकाबला खेला गया जिसमें इंडिया मास्टर्स की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंडिया मास्टर्स की पारी के दौरान युवराज और बेस्ट के बीच कहासुनी हुई। बेस्ट अपना ओवर पूरा करने के बाद मैदान से बाहर जाना चाहता थे। हालांकि, युवराज ने इस बारे में अंपायर को जानकारी दी और बेस्ट को वापस मैदान पर आना पड़ा जो उन्हें अच्छा नहीं लगा। यह घटना 13 ओवर के बाद की है। मैदान पर वापस आते ही बेस्ट युवराज की ओर बढ़े और उनके साथ बहस करने लगे। इस दौरान दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को अंगुली दिखा रहे थे। मामला बढ़ता देखकर अंपायर और वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान ब्रायन लारा ने बीच बचाव किया और मामले को शांत कराया। अंबाती रायुडू की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। रायपुर में खेले गए फाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ब्रायन लारा की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 148 रन बनाए। जवाब में भारत ने 17.1 ओवर में चार विकेट खोकर 149 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह सचिन तेंदुलकर की अगुआई वाली टीम अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग टी20 के पहले संस्करण की विजेता टीम बन गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए युवराज ने 11 गेंदों पर नाबाद 13 रन बनाए। रायुडू और सचिन तेंदुलकर ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 47 गेंदों पर 67 रनों की साझेदारी हुई। सचिन ने 18 गेंदों पर 25 रन बनाए और कुछ अच्छे शॉट्स लगाकर पुराने दिनों की याद दिलाई।

आईपीएल से पहले 'जम्मू एक्सप्रेस' उमरान मलिक को तगड़ा झटका, चोट के कारण बाहर हुए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'जम्मू एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर तेज गेंदबाज उमरान मलिक को तगड़ा झटका लगा है। वह आगामी आईपीएल सत्र में चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। इसकी जानकारी कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से आईपीएल ने दी। 'जम्मू एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर तेज गेंदबाज उमरान मलिक को तगड़ा झटका लगा है। वह आगामी आईपीएल ने 75 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था। वह इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने उन्हें मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था। वह 2021 में टीम का हिस्सा बने थे। एसआरएच के लिए खेले 26 मैचों में उन्होंने 29 विकेट अपने नाम किए। पिछले संस्करण में उमरान को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था, जिसमें वह एक भी विकेट हासिल

सत्र में चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। इसकी जानकारी कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से आईपीएल ने दी। लीग की तरफ से बताया गया कि गत विजेता टीम ने उमरान की जगह बाएं हाथ के गेंदबाज चेतन साकरिया को टीम में शामिल किया है। वह 75 लाख रुपये की कीमत पर केकेआर का हिस्सा बने हैं।25 वर्षीय गेंदबाज को पिछले हुई मेगा नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स नहीं कर पाए थे चेतन साकरिया ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेला है। अब तक खेले 19 मैचों में उन्होंने 20 विकेट हासिल किए हैं। 2021 में उन्होंने राजस्थान के लिए आईपीएल में डेब्यू किया। इसके बाद दो संस्करणों में वह दिल्ली का हिस्सा रहे। ओवरऑल टी20 में उन्होंने 46 मैचों में 65 विकेट चटकाए हैं। अब वह कोलकाता नाइट राइडर्स में अपनी चमक बिखेरते नजर आएंगे।

100वां टेस्ट खेलने के बाद ही संन्यास लेना चाहते थे रविचंद्रन अश्विन, धोनी को कर दिया था आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में गाबा टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास लेने का फैसला कर दिया था। भारतीय टीम के पूर्व अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा करते हुए बताया है कि वह अपने 100वें टेस्ट के बाद ही संन्यास लेना चाहते थे और उन्होंने इसके लिए महेंद्र सिंह धोनी को आमंत्रित भी कर दिया था। अश्विन का 100वां टेस्ट 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में खेला गया पांचवां टेस्ट था। उन्होंने उस मैच में नौ विकेट लिए और भारत को पारी और 64 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने अब खुलासा किया कि वह 100वें टेस्ट से ही विदाई ले चाहते हैं और उनका मन था कि धोनी उस पल का हिस्सा बनें। हालांकि, ऐसा हो नहीं सका। अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-

गावस्कर ट्रॉफी में गाबा टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास लेने का फैसला कर दिया था। मैच के बाद जैसे ही कप्तान रोहित शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए उनके साथ अश्विन भी मौजूद रहे और संन्यास लेने की घोषणा की थी। अश्विन के यूं अचानक संन्यास के फैसले ने सभी को चौंका दिया था। अश्विन ने कहा, मैं धोनी को अपने 100वें टेस्ट के लिए बुलाया जिससे वह मुझे मेमेंटो दे सकें। मैं चाहता था कि वो मेरा आखिरी टेस्ट हो, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि, मैंने नहीं सोचा था कि वह मुझे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में वापस लाने का उपहार देंगे। यह उससे कहीं ज्यादा अच्छा है, इसलिए मैं ऐसा करने के लिए धोनी को धन्यवाद देता हूं। मुझे खुशी है कि मैं यहां हूं। अश्विन ने साथ ही आईपीएल में सीएसके के साथ अपने पहले सत्र को याद किया और कहा कि वह मौके देने के लिए हमेशा धोनी के आभारी रहेंगे। अश्विन ने कहा, 2008 में मैं सीएसके के ड्रेसिंग रूम में मैथ्यू हेडन और धोनी सहित सभी दिग्गज खिलाड़ियों से मिला। उस समय मैं पूरे सत्र बैठा रहा। उस दौरान मैं कुछ भी नहीं था, मैं उस टीम में कहां खेलता जिसमें मुथैया मुरलीधरन थे? धोनी ने मुझे जो दिया उसके लिए मैं पूरे जीवन उनका आभारी रहूंगा। उन्होंने मुझे मौका दिया कि मैं नई गेंद से क्रिस गेल के खिलाफ गेंदबाजी करूं। आठ सीजन के बाद अश्विन की सीएसके फ्रेंचाइजी में वापसी हुई है। वह इस टीम के लिए आखिरी बार 2015 में खेले थे। पांच बार की चैंपियन टीम ने अश्विन को 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। अश्विन सीएसके में रवींद्र जडेजा के साथ नजर आएंगे। इन दोनों की जोड़ी भारतीय टेस्ट टीम में काफी हिट थी। अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज के रूप में समाप्त किया था। अब वह 22 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 में जलवा बिखेरते नजर आएंगे।

13 साल पहले आज ही के दिन सचिन ने पूरे किए थे 100 अंतरराष्ट्रीय शतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सचिन के अलावा भारत के विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक

शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन वह भी सचिन से काफी पीछे हैं भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 13 साल पहले आज ही के दिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे किए थे। सचिन को संन्यास लिए अब लंबा समय हो गया है, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड अभी भी सलामत है। सचिन दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतने शतक लगाने का रिकॉर्ड है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं। सचिन के अलावा भारत के विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन वह भी सचिन से काफी पीछे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के नाम 71 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं। कोहली भले ही वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं, लेकिन ओवरऑल अभी सचिन से पीछे हैं। सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी। 16 मार्च 2012 को मीरपुर में खेले गए इस मैच में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन बनाए थे जिससे भारत पांच विकेट पर 289 रन बनाने में सफल रहा था। भारत ने हालांकि वो मैच पांच विकेट से गंवाया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया। सचिन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए लंबा समय हो चला है, लेकिन अभी भी जब कभी उनकी झलक दिख जाती है तो पूरा स्टेडियम 'सचिन... सचिन'... के शोर से गूंज उठता है। सचिन भले ही अब प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में नहीं खेलते हैं।

राशि फल

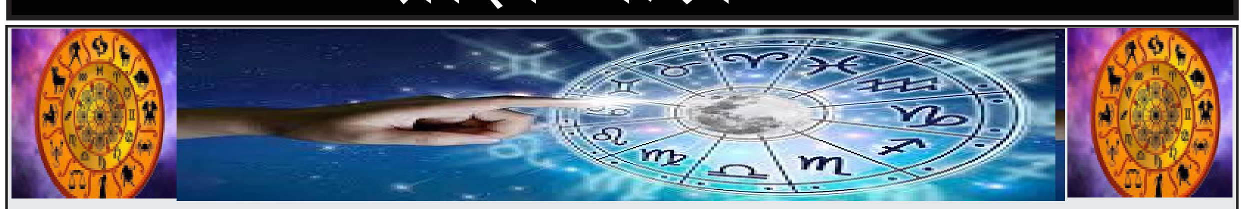

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे है

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

घरेलू क्रिकेट का फॉर्म आईपीएल में भी बरकरार रखना चाहते हैं नायर, दिल्ली को खिताब दिलाने की जताई इच्छा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने टीम को खिताब जिताने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट का फॉर्म को आईपीएल में भी बरकरार रखना चाहते हैं। आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट के 18वें सत्र का आगाज होगा। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने टीम को खिताब जिताने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि वह घरेलू क्रिकेट का फॉर्म आईपीएल में भी बरकरार रखना चाहते हैं।नायर घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में खेली जाने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में नौ मैच में 389.50 की औसत से 779 रन बनाए जिसमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी अपनी यह फॉर्म जारी रखी और 57.33 की औसत से 860 रन बनाए जिसमें चार शतक शामिल हैं। उन्होंने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में नाबाद 132 रन बनाकर अपनी टीम को चैंपियन बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी

आईपीएल से पहले उन्हें 50 लाख रुपए में खरीदा। नायर ने कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी करके वास्तव में बहुत खुश हूं। मैं टीम से जुड़ने और खेलने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मैं प्रत्येक मैच को पिछले मैच की तरह महत्वपूर्ण मानकर चलूंगा। मैंने बहुत अधिक बदलाव नहीं किये और केवल प्रक्रिया पर भरोसा रखा तथा पूरे सत्र के दौरान ऐसा करना जारी रखा। इस सत्र के लिए यही मेरी रणनीति थी। मैं जितनी जल्दी हो सके अपनी प्रक्रिया, अपनी लय हासिल कर लूंगा और मैं जल्दी अच्छी शुरुआत करना चाहूंगा और जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा मैं बेहतर होने की कोशिश करूंगा। मैंने जो एकमात्र चीज की है वह स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढालना है। मैंने अपने खेल में कुछ शॉट् जोड़े और जरूरत पड़ने पर उन्हें आजमाने का आत्मविश्वास बनाया। मैं अब तनावमुक्त रहने की भी कोशिश करता हूं। इस दौरान नायर ने दिल्ली कैपिटल्स के नए कप्तान अक्षर पटेल की ही जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, अक्षर लंबे समय से खेल रहा है और वह शानदार कप्तान साबित होगा। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो खेल के प्रत्येक पहलू के बारे में अच्छी तरह से जानता है और प्रत्येक की स्थिति और भूमिका को समझता है। मैं उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। नायर आगामी सत्र में भारत के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल के साथ खेलने को लेकर भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं राहुल के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हूं। हम शुरू से साथ में खेलते रहे हैं। उसने आईपीएल के पिछले कुछ सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैं उसके साथ एक टीम में खेलने को लेकर खुश हूं। मुझे उम्मीद है कि इस बार दिल्ली कैपिटल्स अपना पहला खिताब जीतने में सफल रहेगी।

सम्पादकीय

संदेह के बीज बोने की कोशिश, चुनाव आयोग को बदनाम करने का प्रयास

अमेरिका की सत्ता में डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित वापसी के पीछे उनके नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी मागा की अहम भूमिका रही थी। ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने का वादा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आधुनिक विश्व के इस सबसे पुराने लोकतंत्र की चुनावी विसंगतियों को सुधारने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। यही चुनावी विसंगतियां अक्सर अमेरिका में चुनाव परिणाम को लेकर विवादों को जन्म देती हैं। यहां तक कि ट्रंप भी इस चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहे हैं, लेकिन उनके सत्ता संभालने के बाद भी इसमें सुधार के कोई आसार नहीं दिख रहे। अमेरिकी चुनाव प्रणाली की सबसे बड़ी विसंगति तो यही है कि उसका कोई मानकीकरण नहीं है। इस मोर्चे पर उसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की चुनाव प्रणाली की ओर देखना चाहिए। अमेरिका में कोई संघीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी नहीं है, जो पूरे देश में चुनाव प्रक्रिया का एक समान नियमन कर सके। इसके उलट भारत में राष्ट्रीय चुनाव कानून के साथ ही भारत निर्वाचन आयोग जैसी केंद्रीय चुनाव प्राधिकारी संस्था भी है जो संवैधानिक अधिकारों से सशक्त है। इसके अलावा, भारत में देश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही विधि से मतदान कराने के लिए इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम जैसी व्यवस्था भी है। यह मशीन कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए भी उपयोगी होने के साथ ही कुछ ही घंटों में परिणाम का आकलन करने में सक्षम है। अमेरिका में चुनाव प्रक्रिया अस्त-व्यस्त एवं अराजक है। विभिन्न राज्यों में मतदान से लेकर मतगणना को लेकर अलग-अलग व्यवस्थाएं हैं। हर काउंटी के भी अपने चुनाव कानून हैं, जो अलग-अलग तरीके से मतदान प्रक्रिया को संचालित करते हैं। कई जगहों पर मतपत्र की व्यवस्था है, जहां मतदाताओं को अपनी पसंद दर्शाने के लिए मार्कर दिया जाता है। वे चुनाव चिह्नों का उपयोग नहीं करते। कुछ काउंटी में मतपत्रों के साथ एक मशीन के माध्यम से अपनी पसंद को दर्शाने का प्रविधान है। वर्ष 2000 तक मतदाताओं से उनकी पसंद के प्रत्याशी के नाम पर पंच करने के लिए कहा जाता था। इससे भी अजीब तो यह लगेगा कि कहीं लीवर पंच करके भी मतदान की व्यवस्था रही है। कुछ समय पहले तक पंच करने को लेकर भी राज्यों में अलग-अलग व्यवस्था थी। टेक्सास में बैलेट को इस तरह पंच करना अनिवार्य रहा कि उसमें पूरा छेद हो जाए। अगर इसमें कुछ कमी रह जाती तो मत की गिनती नहीं होती। इसके उलट फ्लोरिडा में बैलेट को पंच करने की व्यवस्था अपेक्षाकृत उदार रही, जहां आंशिक चिह्न से भी काम चल जाता। इसी को लेकर 2000 के चुनाव में जार्ज बुश जूनियर और अल गोर के बीच चुनावी लड़ाई अदालत की देहरी तक पहुंच गई थी और अंतिम निर्णय आने में कई दिन लग गए थे। इस वाकये के करीब 25 साल गुजर जाने के बाद भी अमेरिका में चुनाव सुधारों की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं हुई। जो संस्थाएं अस्तित्व में भी आईं तो उनकी भूमिका सलाहकार के रूप में ही सीमित होकर रह गई है। एक आकलन के अनुसार करीब 70 प्रतिशत मतदाता मतपत्र, 23 प्रतिशत पसंद को दर्शाने वाली मशीन और शेष सात प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान करते हैं। मतपत्रों से चुनाव कराने को लेकर भी अलग-अलग राज्यों में अपनी व्यवस्था है। नियत समय से पूर्व मतदान के भी तरह-तरह के स्वरूप मौजूद हैं। यहां तक कि एक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भी एकसमान व्यवस्था नहीं। जैसे टेक्सास में मतदाता ईवीएम से वोट देंगे या मतपत्र से, यह उनके निवास स्थान से निर्धारित होगा कि वे कहां रहते हैं। अमेरिका के पूर्वी और पश्चिमी तट के समय में अंतराल भी चुनावी विसंगतियों को बढ़ाता है। जैसे न्यूयार्क में शाम छह बजे मतदान संपन्न हो जाता है तो टीवी चैनल एक्जिट पोल दिखाने लगते हैं। उस समय तक कैलिफोर्निया में मतदान के पांच घंटे शेष रह जाते हैं। यह मतदाताओं के मानस को प्रभावित करने का काम करता है। इससे स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की संकल्पना को क्षति पहुंचती है। इसके उलट भारत में लोकसभा चुनाव का परिणाम मतगणना के दिन शाम तक करीब-करीब तय हो जाता है। इसी तरह विधानसभाओं के चुनाव नतीजे तो दोपहर तक ही स्पष्ट हो जाते हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव का फैसला होने में कई दिन तक लग जाते हैं। उसके बाद भी विवाद की आशंका बनी रहती है। डोनाल्ड ट्रंप ने शुरुआती रुझान के आधार पर ही अपनी जीत का एलान कर दिया था, लेकिन औपचारिक घोषणा में कई दिन लग गए, क्योंकि तमाम राज्यों में मतगणना की प्रक्रिया जारी थी। इस प्रकार देखें तो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और चुनावों की कसौटी विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत पूरे संसार में सिरमौर दिखाई पड़ता है। इस मामले में अमेरिका हमसे मीलों पीछे और उसे भारत की बराबरी करने में न केवल बहुत समय लगेगा, बल्कि इसके लिए उसे बहुत प्रयास भी करने पड़ेंगे।

परिसीमन की कसौटी, शासन गुणवत्ता और विशिष्ट संस्कृति क्षेत्र भी आधार बनाए जा सकते हैं

लोकसभा सीटों के परिसीमन पर बहस जारी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि परिसीमन जनसंख्या के आधार पर ही नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि

इससे दक्षिण के राज्यों को नुकसान होगा। गृहमंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि परिसीमन प्रक्रिया से दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं होगा और सरकार किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होने देगी। उन्होंने सीटों में वृद्धि होने पर उचित हिस्सेदारी का वादा किया है। फिर भी वाक् युद्ध जारी है। परिसीमन संवैधानिक उत्तरदायित्व है। संविधान के अनुच्छेद 82 में उल्लिखित है, 'प्रत्येक जनगणना के बाद राज्यों को लोकसभा में स्थानों के आवंटन और प्रत्येक राज्य के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजन को ऐसे प्राधिकारी द्वारा और ऐसी रीति से पुनः समायोजन किया जाएगा जो संसद विधि द्वारा अवधारित करे।' संविधान में जनसंख्या को ही सीटों के निर्धारण का मुख्य आधार बताया गया है। इसीलिए प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन का प्रविधान है। परिसीमन का कार्य जनसंख्या परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को पुनः समायोजित करना एवं विभिन्न क्षेत्रों के बीच सीटों का समान वितरण सुनिश्चित करना है। संबंधित कानून के अनुसार परिसीमन कार्य के लिए एक आयोग का गठन किया जाता है। अब तक चार बार इस आयोग का गठन हो चुका है। 1976 में संशोधन अधिनियम द्वारा सन 2000 तक लोकसभा सीट आवंटन और निर्वाचन क्षेत्र विभाजन को 1971 के स्तर पर स्थिर कर दिया था।

नर और नारी, दोनों के जीवन के उद्देश्य एक हैं; सूत्र है पूर्णता का आभास करना

नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बल्कि बंटवारा करते समय पुरुष ने नारी से उसकी राय नहीं पूछी, अपने मन से उसने जहां चाहा, नारी को बिठा दिया। स्वयं तो वह वृक्ष बन बैठा और नारी को लता बना दिया। भी प्रत्येक नारी में कहीं न कहीं कोई एक प्रच्छन्न नर और प्रत्येक नर में कहीं न कहीं एक क्षीण नारी छिपी हुई है। किंतु सदियों से नारी अपने भीतर के नर को और नर

बाहर भी है। अर्धनारीश्वर शंकर और पार्वती का कल्पित रूप है, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग नारी का होता है। स्पष्ट ही, यह कल्पना शिव और शक्ति के बीच पूर्ण समन्वय दिखाने को निकाली गई होगी, किंतु इसकी सारी व्याप्तियां वहीं तक नहीं रुकतीं। अर्धनारीश्वर की कल्पना में कुछ इस बात का भी संकेत है कि नर-नारी पूर्ण रूप से समान हैं एवं उनमें से एक के गुण दूसरे के दोष नहीं हो सकते। अर्थात नरों में नारियों के गुण आएं, तो इससे उनकी मर्यादा हीन नहीं होती, बल्कि उनकी पूर्णता में वृद्धि होती ही होती है। किंतु पुरुष और स्त्री में अर्धनारीश्वर का यह रूप आज कहीं भी देखने में नहीं आता।संसार में सर्वत्र पुरुष पुरुष है और स्त्री स्त्री। नारी समझती है कि पुरुष के गुण सीखने से उसके नारीत्व में बट्टा लगेगा। इसी प्रकार पुरुष भी स्त्रियोचित गुणों को अपनाकर समाज में स्त्रैण कहलाने से घबराता है। स्त्री और पुरुष के गुणों के बीच एक प्रकार का विभाजन हो गया है तथा विभाजन की रेखा को लांघने में नर और नारी, दोनों को भय लगता है। किंतु लगता है कि गुणों का स्वयं तो वह वृंत बन गया और नारी को उसने कली मान लिया। यदि आदिमानव और आदिमानवी आज मौजूद होते, तो ऐसी कल्पना से सबसे अधिक आश्चर्य उन्हें ही होता। हम तो साथ-साथ जन्मे थे तथा धूप और चांदनी में, वर्षा और आतप में साथ ही घूमते भी थे; बल्कि आहार-संचय को भी हम साथ ही निकलते थे और अगर कोई जानवर हम पर टूट पड़ता, तो हम एक साथ उसका सामना भी करते थे। नारी की पराधीनता तब आरंभ हुई, जब मानव जाति ने कृषि का आविष्कार किया, जिसके चलते नारी घर में और पुरुष बाहर रहने लगा। यहां से जिंदगी दो टुकड़ों में बंट गई। नर और मादा पशुओं में भी थे और पक्षियों में भी। किंतु पशुओं और पक्षियों ने अपनी मादाओं पर आर्थिक परवशता नहीं लादी। लेकिन मनुष्य की मादा पर यह पराधीनता आप से आप लद गई। और इस पराधीनता ने नर-नारी से वह सहज दृष्टि भी छीन ली, जिससे नर पक्षी अपनी मादा को या मादा अपने नर को देखती है।नारी और नर एक ही द्रव्य की ढली दो प्रतिमाएं हैं। आरंभ में दोनों बहुत कुछ समान थे। आज अपने भीतर की नारी को बेतरह दबाता आ रहा है। परिणाम यह है कि आज सारा जमाना ही मर्दाना मर्द और औरताना औरत का हो उठा है। नर-नारी के प्रचलित संबंधों का मनोवैज्ञानिक प्रभाव संसार के इतिहास पर पड़ रहा है और जब तक यह संबंध नहीं सुधरते, शांति के मार्ग की सारी बाधाएं दूर नहीं होंगी। नारी केवल नर को रिझाने अथवा उसे प्रेरणा देने के लिए नहीं बनी है, बल्कि जीवन यज्ञ में उसका भी अपना हिस्सा है और वह हिस्सा घर तक ही सीमित नहीं, बाहर भी है। जिसे भी पुरुष अपना कर्मक्षेत्र मानता है, वह नारी का भी कर्मक्षेत्र है। नर और नारी, दोनों के जीवनोद्देश्य एक हैं। सूत्र- पूर्णता का आभास करें गांधी जी ने अपने जीवन के अंतिम दिनों में नारीत्व की भी साधना की थी। अर्धनारीश्वर केवल इसी बात का प्रतीक नहीं है कि नारी और नर जब तक अलग हैं, तब तक दोनों अधूरे हैं, बल्कि इस बात का भी कि पुरुष में नारीत्व की ज्योति जगे और प्रत्येक नारी में भी पौरुष का स्पष्ट आभास हो। प्रत्येक नर को एक हद तक नारी व प्रत्येक नारी को एक हद तक नर बनाना भी जरूरी है।

नाकामी की पोल खोलता नदियों का प्रदूषण, राजनीति इच्छाशक्ति बढ़ाना होगा

जलशक्ति मंत्रालय की ओर से संसद में दी गई यह जानकारी निराश करने वाली है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने का काम सही तरह नहीं हो पा रहा है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि एक लंबे समय से कहा जा रहा है कि नदियों में सीवरों का गैर शोधित पानी नहीं गिरने दिया जाएगा। बीते दिनों संसद में दी गई जानकारी से यह पता चल रहा है कि सीवेज सिस्टम की खामी से नदियों को प्रदूषण मुक्त करने में बाधा आ रही है। 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता में आने के साथ ही जब गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त करने का अभियान नए सिरे से शुरू किया और इसके लिए एक नई व्यवस्था बनाई, तब यह उम्मीद बंधी थी कि इस नदी को प्रदूषण मुक्त करने के साथ अन्य नदियों को प्रदूषित होने से रोकने में सफलता मिलेगी, लेकिन स्थिति यह है कि अभी गंगा को भी पूरी तरह प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सका है। नदियों में सीवरों और गंदे नालों का पानी बिना शोधित किए न जाने पाए, यह देखने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके नगर निकायों की है, लेकिन वे इसमें कोताही बरत रहे हैं। इसी का नतीजा है कि अभी भी नदियों का प्रदूषण जारी है। इसका कारण यह है कि जहां सीवेज शोधन संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे हैं, वहीं अनेक शहरों के गंदे नाले अभी तक इन संयंत्रों से नहीं जोड़े जा सके हैं। दुनिया के अन्य देशों की तरह अपने देश में भी तमाम शहर नदियों किनारे बसे हुए हैं। समय के साथ नदियों के तट पर आबादी का घनत्व भी बढ़ रहा है। इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास सीवेज सिस्टम नहीं है, क्योंकि वह अनधिकृत कॉलोनियों में अधिक रहती है। इसके अलावा शहरों का जो सीवेज सिस्टम है, वह पुराना पड़ चुका है। समस्या इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि सीवेज सिस्टम पर्याप्त क्षमता के नहीं हैं। वे सीवरों का पूरा गंदा पानी शोधित नहीं कर पाते। इसके चलते सीवरों का गैर शोधित पानी सीधे नदियों में जाता है। यह स्थिति महानगरों में भी है। पिछले दिनों दिल्ली में सत्ता बदलने के बाद से यमुना की सफाई पर खूब चर्चा हो रही है। चुनाव में यमुना का प्रदूषण एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार भी यमुना को साफ करने की बात करती थी, लेकिन वह नाकाम रही। इसका एक कारण राज्य और केंद्र सरकार का झगड़ा भी रहा। इस झगड़े की वजह से यमुना की सफाई प्राथमिकता नहीं बन सकी। शायद ही कोई दल हो, जो नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने की बात न करता हो, लेकिन इसके बाद भी वे प्रदूषित बनी हुई हैं। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाता है। नदियों के प्रदूषित होने का एक बड़ा कारण नगर नियोजन से संबंधित नौकरशाही का नकारापन भी है। नौकरशाही ने नदियों किनारे होने वाली अनियोजित बसाहट को रोकने में उदासीनता का ही परिचय दिया है। उन्होंने इसे लेकर सरकारों को आगाह भी नहीं किया। नदियों के प्रदूषण में नौकरशाही की भूमिका पर कभी कोई ठोस चर्चा नहीं हुई। अच्छा हो कि सरकार इस पर कोई श्वेतपत्र लाए कि नदियां क्यों प्रदूषित हैं? श्वेतपत्र में इसका भी उल्लेख किया जाए कि जब नदियों किनारे बसाहट हो रही था, तब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी बढ़ती आबादी के लिए उपयुक्त सीवेज सिस्टम का निर्माण क्यों नहीं करा रहे थे यदि यह मान लिया जाए कि पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आखिर इसका क्या मतलब कि अब भी ध्यान न दिया जाए। एक ऐसे समय जब केंद्र के साथ राज्य सरकारों की ओर से नदियों को साफ करने के दावे किए जा रहे हैं, तब सीवेज सिस्टम में सुधार न हो पाना, गंदे नालों का सीवेज शोधन संयंत्रों से न जुड़ पाना और इन संयंत्रों का पूरी क्षमता से काम न कर पाना चकित करता है। अरबों रुपये सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने में खर्च किए जा चुके हैं, पर यही तथ्य बार-बार सामने आता है कि यह व्यवस्था अपर्याप्त और असंतोषजनक है। सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बनाए गए कई सीवेज शोधन संयंत्र एक-दो साल चलने के बाद ही बंद हो जाते हैं।आज उन अनेक शहरों की सीवेज व्यवस्था सही तरह काम कर रही है, जिनका निर्माण अंग्रेजों ने कराया था, लेकिन हमारे इंजीनियर हर किस्म के आधारभूत ढांचे का निर्माण इस तरह करते हैं कि वह दो-चार साल में ही कमजोर पड़ जाता है या अपर्याप्त साबित हो जाता है।नदियों में प्रदूषण केवल सीवेज सिस्टम की खराबी से ही नहीं होता, बल्कि उद्योगों के अपशिष्ट जल से भी होता है। गंभीर बात यह है कि तमाम उद्योग अपने विषाक्त जल को शोधित करने के बजाय उसे रिवर्स बोरिंग कर जमीन में समाहित कर देते हैं। यह अपराध है, लेकिन उस पर रोक इसलिए नहीं लग रही है, क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के अधिकारी ऐसे उद्योगों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करते।इसका नतीजा यह है कि उद्योग जानबूझकर भूजल को दूषित कर रहे हैं। यह दूषित जल भूगर्भ जल को विषैला करता है और अनेक बीमारियों का कारण बनता है। पंजाब में कैंसर के मामले बढ़ने के पीछे भूमिगत जल के प्रदूषण को ही माना जा रहा है। नदियों को प्रदूषण मुक्त करने वाली व्यवस्था तब सुधरेगी, जब शासन-प्रशासन के साथ आम जनमानस भी सचेत होगा।सरकारी कर्मचारी और विशेष रूप से इंजीनियरों पर यह दारोमदार होता है कि वे बेहतर इंजीनियरिंग और गुणवत्ता वाले निर्माण कराएं, लेकिन इसमें शिथिलता ही देखने को मिलती है। यह किसी से छिपा भी नहीं, लेकिन इसके बाद भी इंजीनियरों को जवाबदेह बनाने और उन्हें उनके घटिया निर्माण के लिए दंडित करने का काम नहीं हो पा रहा है।

बिखराव की राह पर बसपा, बहुजन वाली राजनीति अब स्वजनों की महत्वाकांक्षा में फंस गई

लगभग तीन दशक पहले जिस बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा की राजनीति ने देश को चौंकाया था, वह मायावती के स्वजनों की महत्वाकांक्षा में फंसकर रह गई लगती है। बसपा संस्थापक कांशीराम ने बहुजन समाज की राजनीति पर बल दिया था। मायावती की मेहनत ने उसे सत्ता-सिंहासन तक भी कई बार पहुंचाया, लेकिन अब उनकी राजनीति स्वजनों के दायरे से बाहर नहीं देखती। उत्तराधिकार को लेकर स्वजनों में सत्ता संघर्ष के बीच मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपने भाई आनंद कुमार तथा राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त किया, पर फिर आनंद कुमार की जगह सहारनपुर निवासी रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर बना दिया। 2 मार्च को आकाश आनंद को सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त कर आनंद कुमार और रामजी गौतम को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त करते हुए मायावती ने स्पष्ट किया कि मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त करने पर प्रतिक्रिया में आकाश ने 'एक्स' हैंडल पर जो पोस्ट किया, उससे खफा होकर मायावती ने उन्हें बसपा से ही निकाल दिया और कहा कि 'आकाश को पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी, लेकिन उसने जो प्रतिक्रिया दी, वह राजनीतिक मैच्योरिटी नहीं है। वह अपने ससुर के प्रभाव में स्वार्थी और अहंकारी हो गया है।' आकाश ने टिप्पणी की थी कि 'बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर जैसा है। मैं उनके हर फैसले के साथ खड़ा हूं। परीक्षा कठिन और लड़ाई लंबी है। बहुजन मिशन और मूवमेंट के एक सच्चे कार्यकर्ता की तरह मैं पार्टी और मिशन के लिए पूरी निष्ठा से काम करता रहूंगा। आखिरी सांस तक अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा।' इस टिप्पणी में मायावती को चुनौती के तेवर दिखे। मायावती की अस्थिर राजनीति के मद्देनजर भविष्य का आकलन आसान नहीं, पर घटनाक्रम बताता है कि कभी

बहुजन के नाम पर शुरू राजनीति अब स्वजनों की महत्वाकांक्षा और सत्ता संघर्ष में फंस गई है। बेशक मायावती ने दावा किया कि उनके लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले है, परिवार और रिश्ते बाद में, लेकिन अभी तक का उनका आचरण उसके उलट ही नजर आता है। सत्ता-गलियारों में प्रवेश करने वाली बसपा ने शायद ही कोई दल हो, जिससे दोस्ती न की हो। बाकी दल भी सत्ता के खेल में पाक दामन नहीं है, लेकिन वे 'मूवमेंट' होने का दावा भी नहीं करते। उत्तर प्रदेश में सत्ता की मुख्य खिलाड़ी रही बसपा कई राज्यों में सत्ता के समीकरण बनाने-बिगाड़ने की हैसियत में पहुंच गई थी, लेकिन फिर वह लगातार सिकुड़ती गई। बसपा में कभी किसी नेता को 'नंबर दो' की हैसियत नहीं मिली। किसी ने वैसी गलतफहमी पाली तो उसे बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सतीश चंद्र मिश्र इस मामले में अपवाद नजर आते हैं, पर पुराने दिग्गज बसपा की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण उन्हें ही मानते हैं। कभी कांशीराम या मायावती के विश्वस्त माने गए आरके चौधरी, नसीमुद्दीन, स्वामी प्रसाद मौर्य और इंद्रजीत सरोज सरीखे नेता, जो अब दूसरे दलों में हैं, बसपा के पतन का कारण बहुजन से भटक कर 'धनवानों' और 'स्वजनों' की पार्टी बन जाना भी मानते हैं। मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार काफी समय से बसपा में सक्रिय हैं, लेकिन भतीजे आकाश पहली बार 2017 में सहारनपुर की रैली में अपनी बुआ के साथ दिखे। 2019 में आकाश को नेशनल कोआर्डिनेटर बना दिया गया। तब 2019 के लोकसभा चुनाव में हुआ सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया था। लंदन से एमबीए करने वाले आकाश की शादी बसपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ की बेटी प्रज्ञा से हुई है। मायावती ने 12 फरवरी को अशोक सिद्धार्थ और उनके करीबी नितिन सिंह को अनुशासनहीनता और गुटबाजी के आरोप में बसपा से निकाल दिया था। उन्होंने 16 फरवरी को आकाश को भी अल्टीमेटम दिया था कि बसपा का वास्तविक उत्तराधिकारी वही होगा, जो कांशीराम की तरह हर दुख-तकलीफ उठा कर पार्टी के लिए आखिरी सांस तक जी-जान लगा कर लड़े और पार्टी 'मूवमेंट' को आगे बढ़ाता रहे। आकाश को मायावती ने लगभग सवा साल में दो बार अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और हटाया। सबसे पहले 10 दिसंबर, 2023 को आकाश को उत्तराधिकारी बनाया गया, लेकिन भाजपा के विरुद्ध एक तीखे बयान के चलते लोकसभा चुनाव के बीच ही मई, 2024 में उनसे सभी जिम्मेदारियां वापस ले लीं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने पर आकाश को फिर से नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त करते हुए उत्तराधिकारी घोषित कर दिया गया, लेकिन दो मार्च को फिर सभी पदों से मुक्त कर तीन मार्च को बसपा से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पूरा घटनाक्रम यही संकेत दे रहा है कि बसपा पर वर्चस्व को लेकर उनके स्वजनों में सत्ता संघर्ष चल रहा है। कहना मुश्किल है कि इस सत्ता संघर्ष में कितने मोड़ आएंगे और आखिर में हाथी की राजनीति किस करवट बैठेगी, लेकिन बहुजन को गोलबंद कर भारतीय राजनीति का नक्शा बदलने का कांशीराम का सपना बिखरता नजर आ रहा है। पुराने नेताओं के साथ ही वोट बैंक भी बिखर कर भाजपा, सपा और कांग्रेस की ओर जा रहा है। इन दलों ने बसपा के वोट बैंक पर निगाह भी जमा दी है।

मेट्रोपोलिस फाउंडेशन ने चिकिसा के 353 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शोध-अनुदानों से सशक्त कर भविष्य के डॉक्टर किये तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वालों में 63इ् छात्राएँ शामिल शोध-अनुदान के लिए आवेदन 29 से बढ़कर 63 हुए, विद्यार्थियों की बढ़ती शोध रुचि को दर्शाता है 49इ् प्रतिभागी भारत के आकांक्षी जिलों

से, कम सेवा-प्राप्त क्षेत्रों में शिक्षा और अवसरों का विस्तार मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड, जो भारत की दूसरी सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित पैथोलॉजी लैब चेन है, की सीएसआर इकाई मेट्रोपोलिस फाउंडेशन ने नई दिल्ली में मेडएंगेज स्कॉलरशिप समिट 2024-25 के 7वें संस्करण का आयोजन किया। मेडएंगेज भारत के सबसे बड़े निजी चिकित्सा सहायता कार्यक्रमों में से एक है, जो युवा मेडिकल छात्रों को वित्तीय सहायता, शोध-अनुदान और कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है।मेडएंगेज की स्थापना 2018 में मेट्रोपोलिस चेयरमैन इमेरिटस डॉ. सुशील शाह के विचार से हुई थी और वह सीएसआर की एक बड़ी पहल तथा पुरस्कार-विजेता कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है। आज तक इसके लिये देशभर से 10000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं। इस साल कुल 1.1 करोड़ रूपये की छात्रवृत्तियाँ एवं शोध-अनुदान चिकित्सा के 353 विद्यार्थियों को दिये गये हैं। इनमें शोध-अनुदानों प्राप्त करने वाले 43 विद्यार्थी शामिल हैं।मेडएंगेज स्कॉलरशिप्स से चिकित्सा के अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों को एमबीबीएस की शिक्षा के सभी वर्षों में सहयोग मिलता है। इसमें एमडी/एमएस/डीएनबी के लिये पोस्टग्रेजुएट प्रशिक्षण और प्रशिक्षुता का अंतरिम वर्ष भी शामिल है। यह छात्रवृत्तियाँ शिक्षा, पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों और थीसिस की प्रस्तुति समेत शोध में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सराहती हैं। हर साल इस प्रोग्राम में 27 राज्यों के 500 शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों से आने वाले विद्यार्थी सक्रियतापूर्वक भाग लेते हैं।इस समिट की शोभा चिकित्सा जगत के दिग्गजों ने बढ़ाई, जैसे कि दिल्ली मेडिकल काउंसिल के प्रेसिडेंट डॉ. अरुण गुप्ता, दिल्ली मेडिकल असोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. आलोक भंडारी और कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), नई दिल्ली में हेल्थ पॉलिसी के प्रिंसिपल एडवाइजर डॉ. शुभम सिंह। इसके अलावा, विभिन्न विशेषज्ञताओं के प्रमुख चिकित्सा पेशेवर भी उपस्थित हुए और भारत में उभर रहे मेडिकल टैलेंट पर इस प्रोग्राम के असर का पता चला।इस पर अपनी बात रखते हुए, मेट्रोपोलिस फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. दुरु शाह ने कहा, ''मेडएंगेज एक शक्तिशाली मंच के तौर पर उभरा है, जो भविष्य के चिकित्सा पेशेवरों को बढ़ावा देता है और भारत की स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। कई आकांक्षी डॉक्टरों को आर्थिक बाधाएं होती हैं और व्यावहारिक प्रशिक्षण तक उनकी पहुँच सीमित होती है। ऐसे में उनका अपनी पूरी क्षमता में आना कठिन हो जाता है। शोध के लिये आर्थिक सहायता और सीखने के लिये प्रत्यक्ष अवसर देकर मेडएंगेज सुनिश्चित करता है कि प्रतिभा मेरिट के आधार पर आगे बढ़े। समावेशन पर मजबूती से केन्द्रित होकर यह प्रोग्राम कम सेवा-प्राप्त क्षेत्रों के विद्यार्थियों की पहुँच बढ़ाता है। यह भविष्य की चुनौतियों के लिये तैयार स्वास्थ्यरक्षा का एक विविधतापूर्ण एवं सक्षम कार्यबल बनाता है।चयन की प्रक्रिया का प्रबंधन डेलॉइट द्वारा किया जाता है। इसमें छात्रवृत्ति पाने वालों को चुनने के लिये एक कठोर एवं प्रतिस्पर्द्धी तरीका होता है। शोध-अनुदानों के लिये एक सक्षम जूरी ने प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ थे। पैनल में कॉमनवेल्थ मेडिकल असोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. जे. ए. जयलाल, आईएमए के चेयरमैन डॉ. नरेन्द्र सैनी, राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आरएमएलआईएमएस), लखनऊ के डायरेक्टर डॉ. सी. एम. सिंह और एम्स जोधपुर के डॉ. प्रदीप अग्रवाल शामिल थे।मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड में चीफ साइंटिफिक एण्ड इनोवेशन ऑफिसर और ग्रुप हेड- सीएसआर, डॉ. कीर्ति चड्ढा ने कहा, ''मेडएंगेज सिर्फ एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम नहीं है, बल्कि चिकित्सा में शोध, कौशल विकास एवं नवाचार को प्रेरित भी करता है। डाटा पर आधारित तरीके और विद्यार्थियों के साथ लगातार जुड़े रहकर यह प्रोग्राम उभरती शैक्षणिक आवश्यकताएं पूरी करता है। यह भविष्य के डॉक्टरों को स्वास्थ्यरक्षा की ज्वलंत चुनौतियों से निपटने की विशेषज्ञता प्रदान करता है। शोध पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देकर हम भारत की वैज्ञानिक प्रगति एवं आत्मनिर्भरता में योगदान देते हैं। हम चिकित्सा के नये पेशेवरों को बीमारियों के नियंत्रण, निदान और सुलभ स्वास्थ्यरक्षा समाधानों में नवाचार के लिये सशक्त कर रहे हैं।''मेडएंगेज छात्रवृत्तियों के अलावा सीखने के प्रत्यक्ष अवसर देता है, जैसे कि ऑब्जर्वरशिप प्रोग्राम्स, शैक्षणिक शोध में सहयोग, लेबोरेटरी टूर्स, इंटर्नशिप्स और मेडटॉक वेबिनार्स। यह पहलें विद्यार्थियों को मेट्रोपोलिस की आधुनिकतम प्रयोगशालाओं में विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ असली दुनिया का अनुभव प्रदान करती हैं।

एक्टिव एन जी ओ होली मिलन समारोह में नोएडा की सामाजिक संस्थाओं ने बांधा समा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा के एक्टिव एनजीओ ग्रुप द्वारा शीरोज़ हैंगआउट, नोएडा स्टेडियम में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में नोएडा की 40 से

ज्यादा एनजीओ ने भाग लिया और अपने सहयोग एवं समर्पण का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। इस कार्यक्रम में एनजीओ पदाधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं व सोमेश्वर शर्मा, सपना भटनागर, विक्की यादव ने भी अपनी गीत संगीत, ठाहकों की प्रस्तुतियों से समा बांधा। सभी संगठनों ने समाज सेवा के प्रति अपने विचार साझा किए और भविष्य में एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई इसके साथ प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने पर जोर दिया गया। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की सराहना की और ऐसे आयोजनों को समाज के लिए आवश्यक बताया। एक्टिव एनजीओ ग्रुप ने इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के हित में कार्य करने वाले संगठनों को एक मंच प्रदान किया, जिससे परस्पर सहयोग और समन्वय को बढ़ावा मिल सके। ग्रुप के एडमिन डॉ अशोक श्रीवास्तव एवं डॉ. रंजन तोमर के सुन्दर आयोजन में श्री महेश सक्सेना, डॉ. वी एस चौहान, विपिन मल्हन, के के जैन, प्रोफसर राजेश सहाय, मनीष गुप्ता, शैल माथुर, मीनाक्षी त्यागी, डॉ. कल्पना भूषण, रेखा चौहान, बन्दना झा, डॉ. श्वेता त्यागी, गौत्तम ऋषि, संजय सिन्हा, जुगल किशोर, प्रिंस शर्मा, अविनाश सिंह, अलोक मिश्रा, आर. एन. श्रीवास्तव, मुकुल वाजपेयी, रेनू बाला शर्मा, प्रिया कुमार, ए. वी मुरलीधरन, इत्यादि उपस्थित रहे।

अंबुजा सीमेंट कम्पनी दादरी पर सीटू के बैनर तले श्रमिकों ने अनिश्चितकालीन धरना किया शुरू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा गौतमबुद्धनगर, गैर कानूनी तरीके से नौकरी से निकाले जाने के खिलाफ एवं अन्य श्रम समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कांन्ट्रेक्ट लेबर इम्पलाईज यूनियन ठसीटूठ के बैनर तले 17 मार्च 2025 से अंबुजा सीमेंट लिमिटेड दादरी यूनिट एनटीपीसी रोड धूम मानिकपुर/ बढ़पुरा ग्रेटर नोएडा पर अनिश्चित कालीन धरना शुरू किया। धरने को सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर, सचिव रामस्वारथ यूनियन के अध्यक्ष पारस रजक आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि जब तक श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा कंपनी के समक्ष धरना जारी रहेगा।

स्मार्ट सड़कों से नई दिल्ली को विश्वस्तरीय बनाएगी एनडीएमसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नई दिल्ली की सड़कों को एनडीएमसी विश्वस्तरीय बनाने जा रही है। एनडीएमसी ने कहा कि यह पहल नई दिल्ली की सड़कों से होगी। जहां पर यातायात की सुगमता को बढ़ाने, सड़क सुरक्षा

को मजबूत करने और नागरिकों के लिए बेहतर शहरी जीवन जीने की योजना है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) स्मार्ट सड़कों के माध्यम से नई दिल्ली को विश्वस्तरीय बनाएगी। इन सड़कों का न केवल सौन्दर्यीकरण होगा, बल्कि डिजाइन लोगों की सुरक्षा, सुविधा और अनुभव को प्राथमिकता देते हुए तैयार होगा। एनडीएमसी का कहना है कि यह पहल नई दिल्ली की सड़कों पर यातायात की सुगमता को बढ़ाने, सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों के लिए बेहतर शहरी जीवन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एनडीएमसी की ओर से स्मार्ट सड़कों पर आधुनिक कियोस्क, स्ट्रीट फर्नीचर, पार्किंग और सिटिंग प्लाजा जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इससे न केवल यातायात सुव्यवस्थित होगा, बल्कि सड़कों पर चलने और रुकने वालों के लिए सुखद अनुभव भी होगा। मिंटो रोड पर पहले ही ऐसी स्मार्ट सड़क विकसित की जा चुकी हैं। इस वर्ष योजना का अन्य क्षेत्रों में विस्तार किया जाएगा। स्मार्ट सड़कों की योजना में पान थड़ा, टैक्सी स्टैंड और मानकीकृत गाड़ियों/दुकानों का भी प्रावधान किया गया है। एनडीएमसी का कहना है कि सड़कें किसी भी शहर के लिए जीवन रेखा होती हैं।

लगातार सामने आ रहें है डबल्यू टी सी बिल्डर के सताए बायर्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सोमवार को सैक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में डबल्यू टी सी बिल्डर के सताए करीब 350 लोगों द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई इस दौरान बताया

गया की हमारा 350 लोगों का एक समूह है, जिन्होंने डबल्यू टी सी बिल्डर की फरीदाबाट में एक प्लॉट स्कीम में निवेश किया है, जहाँ डबल्यू टी सी फरीदाबाद इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ने फरीदाबाद सेक्टर 110 और 114 में सुनिश्चित रिटर्न के साथ प्लॉट आवंटित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद किसी भी बायर्स को डबल्यू टी सी समूह द्वारा न तो प्लॉट दिया गया और न ही सुनिश्चित रिटर्न दिया गया। डबल्यू टी सी और भूटानी के बीच समझौते से जगी थी आस डबल्यू टी सी बिल्डर अपने वादे पुरा ना किए जाने के बाद पीड़ित बायर्स ने बिल्डर के खिलाफ़ धरना प्रदर्शन भी किया,लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, आज हुई प्रेसवार्ता के दौरान बायर राज ने बताया की वर्ष 2024 के जुलाई माह में भूटानी इंफ्रा और डबल्यू टी सी बिल्डर के बीच समझौता हुआ और पीड़ित बायर्स से वादा किया गया कि किसी का भी हक नहीं मारा जाएगा और पीड़ित बायर्स को नई शर्तों के साथ नया समझौता दिया गया,इस दौरान कुछ बायर्स को नवंबर और दिसंबर माह में कुछ अमाउंट रिफंड भी दिया गया साथ ही अन्य किसी प्रोजेक्ट में योग्य स्थान देने का वादा किया गया। पिछले दो महीने से फिर ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं बायर्स प्रेस वार्ता के दौरान बायर्स ने बताया कि पहले करीब 3 साल तक डबल्यू टी सी बिल्डर द्वारा ठगे गए, वहीं नए समझौते के बाद उन्हें उम्मीद जगी थी लेकिन जनवरी से उन्हें भूटानी बिल्डर द्वारा भी नहीं समझौते के तहत किए गए उनके वादे भी पूरे नहीं किया जा रहे हैं, ऐसे में बायर्स का कहना है कि संबंधित सरकारी एजेंसियां और विभाग इस मामले में आगे आए और अपने जीवन भर की जमा पूंजी बिल्डर को देने वाले इन बायर्स को न्याय दिलाया जाए सैकड़ो बायर्स के अरबो रुपए की हेरा फेरी कर चुका है डबल्यू टी सी बिल्डर आपको बता दें कि डबल्यू टी सी बिल्डर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और दिल्ली में करीब 12 से भी अधिक प्रोजेक्ट है,जिसमें करीब 20,000 से भी अधिक निवेशक है डबल्यू टी सी के प्रमोटर आशीष भल्ला द्वारा सभी परियोजनाओं के निवेशकों के साथ अरबो रुपए की हेरा फेरी की गई है, जिसकी जांच फिलहाल ईडी द्वारा की जा रही है और प्रमोटर आशीष भल्ला 14 दिन की डिमांड पर है।

'भारत की विदेश नीति अब ज्यादा मजबूत और सक्रिय हो गई', भारतीय सेना प्रमुख का बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख ने साफ तौर पर कहा कि भारत को अपनी विदेश नीति को और सशक्त बनाने की जरूरत है, ताकि वह वैश्विक स्तर पर अपनी उचित स्थिति हासिल कर सके। इसके साथ ही, रक्षा बजट और सामाजिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है, क्योंकि की विदेश नीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था'।उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या रूस से तेल आयात करना, कुछ खास देशों को हथियार बेचना, और एक अच्छे पड़ोसी से अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से रखना, इन सबका मकसद भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करना है? उन्होंने कहा, 'हम शायद अब भी केवल प्रतीकात्मक

भारत को अपनी सुरक्षा भी मजबूत करनी है और विकास को भी प्राथमिकता देनी है। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति अब ज्यादा सक्रिय और सशक्त हो गई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2015 में विदेश सचिव एस. जयशंकर के एक ऐतिहासिक बयान के बाद भारत ने खुद को संतुलनकारी शक्ति के बजाय प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा। भारत की विदेश नीति में बदलाव जनरल द्विवेदी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा, '2015 में विदेश सचिव एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत संतुलन बनाए रखने वाला देश नहीं बल्कि एक अग्रणी शक्ति बनना चाहता है। यह भारत जवाब पाने तक ही सीमित रह गए हैं। हमें और बेहतर होने की जरूरत है'। जनरल द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन में एक बड़ी संभावना है, जिससे भारत उभरते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में अपनी सही जगह हासिल कर सकता है। उन्होंने चिंता जताई कि दुनिया भर में रक्षा बजट तेजी से बढ़ रहा है और 2023 में वैश्विक रक्षा खर्च 2.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने सवाल उठाया, 'हमारे देश में सामाजिक क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण जरूरतें हैं। ऐसे में, क्या हम इस खर्चीली दौड़ का हिस्सा बन सकते हैं?'। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत इङएक अस्थिर पड़ोस में स्थित है, जहां सुरक्षा चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी,इसरो को जापान का साथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नए अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए जापान के सहयोग से अंजाम दिया जाएगा। नारायणन ने बंगलूरू में आयोजित एक समारोह में यह जानकारी साझा की। यहां उन्हें इसरो प्रमुख का पदभार संभालने पर सम्मानित किया गया। चंद्रयान-5 में 250 किलोग्राम वजनी रोवर भेजा जाएगा, जो चंद्रयान-3 के रोवर प्रयागयान (25 किलो) से 10 गुना भारी होगा। इसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह का गहन विश्लेषण करना है। नारायणन ने बताया, तीन दिन पहले ही इस मिशन को मंजूरी मिली। हम इसे जापान के साथ मिलकर अंजाम देंगे। हमारा फोकस तकनीकी के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति पर है। उन्होंने इसरो की टीम और वैज्ञानिक समुदाय के योगदान की तारीफ की। विशेषज्ञों के मुताबिक, चंद्रयान-5 भारत को चंद्र अन्वेषण में अग्रणी बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा।बिहार के मुंगेर में एएसआई संतोष कुमार सिंह की मौत के मामले में तीन जवानों को सस्पेंड कर दिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर

डीआईजी को कार्रवाई के लिए अनुशंसा की गई थी। डीआईजी ने सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर निलंबन आदेश जारी किया। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जिन लोगों को सस्पेंड किया गया है, उनमें मुफस्सिल एसएचओ चंदन कुमार, एक बीसीपी जवान और डायल 112 का ड्राइवर शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट लोकपाल के 27 जनवरी को पारित आदेश पर शुरू की गई स्वतः कार्यवाही पर 18 मार्च को सुनवाई करेगा। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों पर विचार करने के लोकपाल के आदेश पर रोक लगा दी थी। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस अभय एस ओका की पीठ मामले की सुनवाई करेगी। 20 फरवरी को अदालत ने नोटिस जारी कर केंद्र, लोकपाल रजिस्ट्रार व हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत देने वाले व्यक्ति से जवाब मांगा था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र और सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल), चंडीगढ़ ने संयुक्त रूप से अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित किए हैं। इसरो ने बताया कि इनके नाम विक्रम 3201 और कल्पना 3201 रखे गए हैं। झारखंड के गिरिडीह जिले में 36 साल के पिता और उसके तीन बच्चों के शव उसके घर में पाए गए। संदेह है कि मृतक ने पहले अपने तीन बच्चों की गला घोंट कर हत्या की और फिर उसके बाद खुद फंदे पर लटक गया।

बिहार की महिलाओं को मिलेंगे कितने रुपये हर महीना इतने देने जा रही सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता की राशि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रही है। दिल्ली में भाजपा सरकार ने गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा की है। पंजाब में महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने की घोषणा की गई है। महिलाओं के लिए हर महीने आर्थिक सहायता देने की घोषणा करना चुनाव

जीतने का तय फॉर्मूला बन चुका है। इस रणनीति से कांग्रेस ने कर्नाटक और तेलंगाना में सरकार बनाई तो भाजपा ने इसी तरह की घोषणा कर महाराष्ट्र, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक में सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की। आम आदमी पार्टी ने भी इसी तरह की घोषणा कर पंजाब चुनाव में जीत हासिल की थी। अब यह तय माना जा रहा है कि बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई वाली एनडीए सरकार अक्टूबर-नवंबर में चुनाव में जाने से पहले इसी तरह की घोषणा बिहार में भी कर सकती है। इससे नीतीश कुमार के एक बार फिर बिहार की गद्दी पर पहुंचने का रास्ता साफ हो सकता है। महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता की राशि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रही है। दिल्ली में भाजपा सरकार ने गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा की है। पंजाब में महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने की घोषणा की गई है। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना के अंतर्गत महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये मिलते थे। इसे बढ़ाकर हर महीने 2100 रुपये कर देने की घोषणा हुई थी। हालांकि, सरकार ने बाद में इतनी आर्थिक सहायता देने में वित्तीय संकट होने की बात कही है। जदयू सूत्रों के अनुसार, बिहार सरकार महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण कर सकती है।

अब किसी भी मतदान केंद्र पर नहीं होंगे 1200 से अधिक मतदाता; चुनाव आयोग का फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के करीब एक महीने के अंदर दशकों से लंबित विरासत संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए सक्रिय और निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए 31 मार्च से पहले ईआरओ, डीईओ और सीईओ के स्तर पर सर्वदलीय बैठकें करने का फैसला किया। चुनाव आयोग ने मतदान आंकड़ों में अंतर को लेकर राजनीतिक दलों की आशंकाओं का समाधान खोज लिया है। अब किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। आयोग के सूत्रों ने बताया है कि एक दशक से अधिक समय से यह मुद्दा लंबित रहा है। इसलिए आयोग ने तय किया है कि भविष्य में किसी भी चुनाव में किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। इससे मतदान समय से पहले पूरा हो सकेगा और लंबी कतारें नहीं लगेंगी। अभी तक एक मतदान केंद्र पर 1500 तक मतदाता अपने

मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग पर मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में बड़े बदलाव का आरोप लगाया था।नए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के करीब एक महीने के अंदर दशकों से लंबित विरासत संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए सक्रिय और निर्णायक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसके लिए 31 मार्च से पहले ईआरओ, डीईओ और सीईओ के स्तर पर सर्वदलीय बैठकें करने का फैसला किया। आयोग ने पहली बार, इस साल 30 अप्रैल तक कानूनी ढांचे के अंदर सभी राष्ट्रीय और राज्य दलों से सुझाव मांगे हैं। अगले 3 महीनों में लगभग 25 वर्षों से लंबित डुप्लीकेट ईपीआईसी मुद्दे का समाधान देने पर भी आयोग ने सहमति दी है।आयोग बूथ स्तर के एजेंटों, मतदान एजेंटों, मतगणना एजेंटों और चुनाव एजेंटों सहित क्षेत्र स्तर के राजनीतिक एजेंटों को पहली बार कानूनी ढांचे के अनुसार उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में प्रशिक्षण देगा। मतदाताओं के प्रति आयोग की अटूट प्रतिबद्धता का नतीजा है कि 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी वास्तविक भारतीय नागरिकों का मतदाता कार्ड बनाया जाएगा। इस कड़ी में मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ना एक कदम है।

शराब घोटाले में केजरीवाल की जमानत के खिलाफ सुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की

जमानत को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट आज सुनवाई करेगा। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट आज सुनवाई करेगा। याचिका जस्टिस रविन्द्र डुडेजा के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।इससे पहले, हाईकोर्ट ने ईडी के वकील के अनुरोध पर सुनवाई टाल दी थी। केजरीवाल के वकील की दलील दी है कि उनकी जमानत जारी रखी जानी चाहिए, क्योंकि मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में सभी आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। 20 जून, 2024 को ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दी थी, जिसे हाईकोर्ट ने भी बहाल रखा था। ईडी ने पिछले साल 21 मार्च को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने भी पिछले साल 26 जुलाई को पूर्व सीएम को गिरफ्तार किया था।

बॉलीवुड/टेली मसाला

सिल्वर जुबली मना रही सुनील शेट्टी की फिल्म 'क्रोध', हिंदुओं के इस त्योहार पर सबसे ज्यादा की जाती है याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुनील शेट्टी की फिल्म 'क्रोध' को रिलीज हुए आज 25 साल पूरे हो चुके हैं। फिल्म में बहन-

भाई के प्यार को दिखाया गया था। इस मौके पर हम फिल्म से जुड़े कुछ किस्से बताएंगे।क्रोध फिल्म साल 17 मार्च 2000 में रिलीज हुई थी। फिल्म को रिलीज हुए आज पूरे 25 साल हो गए हैं। आज फिल्म अपनी सिल्वर जुबली मना रही है। फिल्म के अहम किरदार में सुनील शेट्टी और रंभा थे। आज हम आपको इस फिल्म के दिलचस्प किस्से के बारे में बताएंगे। फिल्म में सुनील शेट्टी ने करण का किरदार निभाया है। करण काफी गुस्से वाला व्यक्ति होता है। उसे सब हिटलर बुलाते हैं। उसकी सात बहने हैं। वह अपनी पांच बहनों की परवरिश करता है। इसके बाद उनकी शादी करने की ठानता है। फिल्म की कहानी इसी के आस-पास घूमती है। बॉलीवुड में आज से नहीं बल्कि बहुत पहले से साउथ की फिल्मों के रीमेक बनते रहे हैं। इसी तरह से क्रोध फिल्म भी साउथ की फिल्म की सीक्वल थी। यह फिल्म 1996 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म 'हिटलर' की रीमेक थी। क्रोध फिल्म के डायरेक्टर अशोक होंडा इस फिल्म का टाइटल 'हिटलर' रखना चाहते थे लेकिन उन्हें यह टाइटल नहीं मिल सका, क्योंकि इस टाइटल को पहले ही मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म के लिए इस्तेमाल किया जा चुका था। इसके बाद उन्हें इस फिल्म का टाइटल 'क्रोध' ही रखना पड़ा क्रोध' नाम से साल 1990 में भी एक फिल्म बन चुकी थी। इस फिल्म में सनी देओल, संजय दत्त और अमृता सिंह अहम किरदार में थे। हालांकि सनी देओल वाली क्रोध और सुनील शेट्टी वाली क्रोध की कहानी एकदम अलग थी। इस फिल्म के सारे किरदार भी अलग थे। हालांकि दोनों ही फिल्मों को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी थी। 'क्रोध' फिल्म का नाम तो खूब सुना गया था लेकिन इस फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी थी। फिल्म 4 करोड़ रुपयों की लागत से बनी थी लेकिन फिल्म की कुल कमाई 4 करोड़ 50 लाख रुपये हुई थी। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि इस फिल्म ने 50 लाख रुपयों का मुनाफा कमाया था। 'क्रोध' फिल्म भले ही दर्शकों को न भाई हो लेकिन इस फिल्म को रक्षा बंधन पर आज भी याद किया जाता है और देखा जाता है। फिल्म में जिस तरह से सुनील शेट्टी अपनी बहनों की रक्षा करते हैं और उनकी परवरिश करते हैं। वह सभी बहनों को खूब भाता है। 'क्रोध' फिल्म का निर्देशन और प्रोडक्शन अशोक होंडा ने किया था। फिल्म के डॉयलॉग नईम एजाज ने लिखे थे जबकि इसकी पटकथा संतोष सरोज ने लीखी थी। इसकी स्टोरी सिद्दीकी ने लिखी थी।

क्या सामंथा हटा रही हैं नागा चैतन्य से जुड़ी ये खास निशानी तस्वीर देखकर लग रहे कयास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सामंथा रुथ प्रभु साउथ की गिनती साउथ की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में होती है। हालांकि, ये शादी ज्यादा समय तक नहीं चल सकी। साल 2021 में अपनी चौथी शादी की सालगिरह से ठीक चार दिन पहले दोनों की अपने टैटू को भी हटा रही हैं। इस टैटू को उन्होंने नागा के साथ मिलकर बनवाया था। हाल ही में सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ

हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसकी चर्चा खूब हो रही है। सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य की प्रेम कहानी एक समय पर फैंस के लिए एक मिसाल थी। दोनों को एक दूसरे से प्यार हुआ और फिर शादी। राहें अलग हो गईं। रिश्ता खत्म होने के बाद सामंथा ने अपनी जिंदगी से नागा चैतन्य की हर निशानी को दूर करने की कोशिश की है। अपनी सगाई की ड्रेस को बदलने और अंगूठी को नए रूप देने के बाद अब ऐसा लग रहा है कि सामंथा तस्वीरें साझा कीं। इन फोटोज में फैंस ने उनकी कलाई पर बने टैटू के धुंधले होने पर गौर किया। यह टैटू दो तीरों का डिजाइन है, जो उनके और नागा के बीच की खास बॉन्डिंग की निशानी था। हैरानी की बात यह है कि नागा की कलाई पर भी ठीक ऐसा ही टैटू बना हुआ है। इन तस्वीरों के बाद सोशल मीडिया पर कयासों का बाजार गर्म हो गया है। एक यूजर ने लिखा, ठअच्छा हुआ... कभी भी अपने पार्टनर का नाम टैटू नहीं बनवाना चाहिए। रिश्ते कब टूट जाएं, पता नहीं..इसे हटाना भी दर्दनाक होता है।ठ एक अन्य फैन ने दीपिका पादुकोण का जिक्र करते हुए कहा, ठकम से कम नागा चैतन्य और सैम शादीशुदा थे, लेकिन दीपिका ने तो डेटिंग के एक साल में ही टैटू बनवा लिया था और ब्रेकअप के बाद भी उसे लंबे वक्त तक रखा।ठ कुछ फैंस ने सामंथा का समर्थन भी किया और कहा, ठउम्मीद है कि वह जल्द ही अपनी खुशहाल जिंदगी में लौट आएंगी।गौरतलब है कि नागा चैतन्य और सामंथा दोनों अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। नागा ने 4 दिसंबर, 2024 को एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला से तेलुगु रीति-रिवाजों के साथ शादी कर ली थी। यह शादी हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में हुई थी। यह नागा के परिवार की विरासत से जुड़ी एक खास जगह है। दोनों ने साल 2022 में डेटिंग शुरू की थी और 8 अगस्त, 2024 को एक छोटी सी सगाई के साथ अपने रिश्ते को औपचारिक रूप दिया था।

द डिप्लोमैट' पर भारी पड़ रही 'छावा', जानें रविवार को दोनों फिल्म ने की कितनी कमाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।फिल्म 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर 'द डिप्लोमैट' पर भारी पड़ रही है। आइए जानते हैं कि रविवार के दिन दोनों फिल्म के कलेक्शन का हाल कैसा रहा?जॉन अब्राहम की फिल्म 'द

डिप्लोमैट' हाल ही में रिलीज हुई है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करने में असफल रही है। वहीं, विक्की कौशल की 'छावा' अब भी दर्शकों पर अपना जादू चलाती नजर आ रही है। आइए जानते हैं कि रविवार को इन दोनों फिल्मों ने कितनी कमाई की। फिल्म 'द डिप्लोमैट' सच्ची घटना पर आधारित है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम के अभिनय की काफी तारीफ की जा रही है। सादिया खतीब के काम को भी काफी पसंद किया जा रहा है। फिल्म को देखने के बाद लोग कुमुद मिश्रा की भी सहराना कर रहे हैं। हालांकि, शिवम नायर के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उतनी अच्छी कमाई नहीं कर सकी है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर चार करोड़ रुपये से शुरुआत की। वहीं शनिवार को फिल्म की कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला। हालांकि, रविवार को छुट्टी के बावजूद यह फिल्म उछाल दर्ज नहीं कर सकी। तीसरे दिन इस फिल्म ने चार करोड़ 65 लाख रुपये का ही कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 13.3 करोड़ रुपये हो गई है। विक्की कौशल की 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर रुकने का नाम नहीं ले रही है। सप्ताहांत आते ही इस फिल्म की रफ्तार एक बार फिर से तेज हो गई। यह फिल्म 550 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है। शुक्रवार को फिल्म की कमाई सात करोड़ 25 लाख, शनिवार को सात करोड़ 90 लाख रुपये रही। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 31वें दिन फिल्म ने आठ करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

आठ साल बाद पति से अलग हो रहीं 'स्वीट होम' अभिनेत्री, तलाक की शर्तों पर बनी सहमति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। साउथ कोरियन एक्ट्रेस ली सी यंग ने कथित तौर पर अपने

आठ साल लंबे वैवाहिक जीवन के बाद पति से तलाक लेने के लिए अर्जी दी है।साउथ कोरियन एक्ट्रेस ली सी यंग ने कथित तौर पर अपने आठ साल लंबे वैवाहिक जीवन के बाद पति से तलाक लेने के लिए अर्जी दी है। के-मीडिया समाचार आउटलेट वाईटीएन के मुताबिक 'स्वीट होम' के-ड्रामा स्टार और उनके पति मिस्टर जो, जो कि एक रेस्तरां के मालिक हैं। दोनों ने इस साल की शुरुआत में सियोल फैमिली कोर्ट में तलाक की कार्यवाही के लिए दस्तावेज जमा किए थे। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के बीच तलाक की प्रक्रिया अब अंतिम रूप ले रही हैं, क्योंकि माना जाता है कि तलाक की मुख्य शर्तों पर सहमति बन गई है। 42 वर्षीय अभिनेत्री ने साल 2017 में मिस्टर जो से शादी की। नौ साल की उम्र के अंतर वाले इस जोड़े ने अपनी शादी के अगले साल एक बेटे को जन्म दिया। कोरियाई अभिनेत्री की तलाक के बारे में 'एस फैक्ट्री' ने भी दोनों के तलाक की पुष्टि की।अभिनेत्री ली सी यंग के काम की बात करें तो हाल ही में वह नेटफ्लिक्स के 'स्वीट होम सीजन 2' और 3 में नजर आई थीं, जो साल 2024 में रिलीज हुई थी। अभिनेत्री को अपने दमदार और एथलेटिक बॉडी के लिए प्रशंसा मिली है। ली सी यंग ने साल 2008 में डेब्यू के बाद 'केबीएस2' के क्लासिक ड्रामा 'बॉयज ओवर फ्लॉवर' और एमबीसी की वैरायटी सीरीज 'वी गॉट मैरिड' से शोहरत पाई। साल 2023 में वह 'जॉम्बीवर्स' में भी दिखीं।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल पुष्टि की गई कि ली सी यंग जॉम्बी-थीम वाली एक्शन-कॉमेडी सीरीज के बहुप्रतीक्षित सीजन 2 में रो होंग चुल, डिनडिन, डेक्स, त्सुकी और के साथ अपनी भूमिका को दोहराएंगी।

'पुष्पा' के निर्देशक सुकुमार से चल रही शाहरुख की बात! निभा सकते हैं एंटी-हीरो का किरदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता शाहरुख खान और 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार एक साथ फिल्म करने रहे हैं। मणिरत्नम और एटली के साथ सफलतापूर्वक काम कर चुके शाहरुख सुकुमार के साथ सहयोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि

पर चर्चा कर रहे हैं। मणिरत्नम और एटली के साथ सहयोग कर चुके शाहरुख अब सुकुमार के साथ भी फिल्म कर सकते हैं।बॉलीवुड के किंग खान 'पुष्पा 2' के निर्देशक सुकुमार के साथ एक फिल्म को लेकर बातचीत कर किस तरह की फिल्म को लेकर शाहरुख और सुकुमार की बातचीत चल रही है। शाहरुख और सुकुमार को लेकर पहले अफवाह थी कि दोनों एक डार्क, इंटेंस, साइकोलॉजिकल थ्रिलर के लिए साथ आ सकते हैं, लेकिन अब जो चर्चा चल रही है वह बिल्कुल ही अलग है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने कहा, ठकिंग खान एक एंटी-हीरो की भूमिका निभाएंगे, लेकिन यह एक ग्रामीण राजनीतिक एक्शन ड्रामा होगा, जिसमें उन्हें एक देहाती और देसी अवतार में दिखाया जाएगा। यह जाति और वर्ग उत्पीड़न जैसे सामाजिक मुद्दों को भी उजागर करेगा अगर दोनों किसी फिल्म के लिए एक साथ आते हैं तो फैंस को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। दोनों ही कई प्रोजेक्ट्स में अभी व्यस्त हैं। सुकुमार के पास राम चरण के साथ 'आरसी 17', 'पुष्पा 3: द रैम्पेज' और एक रोमांटिक ड्रामा है। वहीं, शाहरुख खान 'किंग' और 'पठान 2' है। कहा जा रहा है कि इसके लिए करीब दो साल तक का इंतजार करना पड़ सकता है शाहरुख खान को आखिरी बार 'डंकी' में देखा गया था। यह फिल्म 21 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसी साल किंग खान की फिल्म 'जवान' और पठान भी रिलीज हुई थी। अब शाहरुख खान 'किंग' में अपनी बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे।

'एल 2 एम्पुरान' से लेकर 'अखंडा 2' तक, साउथ के इन सीक्वल फिल्मों का दर्शकों को है बेसब्री से इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।इस साल साउथ की बहुत सी सीक्वल फिल्में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होंगी। आइए जानते हैं कि दर्शकों को कौन-कौन सी फिल्मों के दूसरे भाग का बेसब्री प्रीक्वल है। यह फिल्म दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है। इसे गांधी जयंती यानी 2 अक्टूबर को रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म में फैंस को 'कातांरा' के शुरुआत की कहानी देखने को मिलेगी। पृथ्वीराज बढ़ाते हुए यह सीक्वल नए ट्विस्ट और रोमांच के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश करेगा। तमिल सिनेमा के स्टार कार्ति अपनी सुपरहिट स्पाई थ्रिलर फिल्म 'सरदार' के सीक्वल के साथ

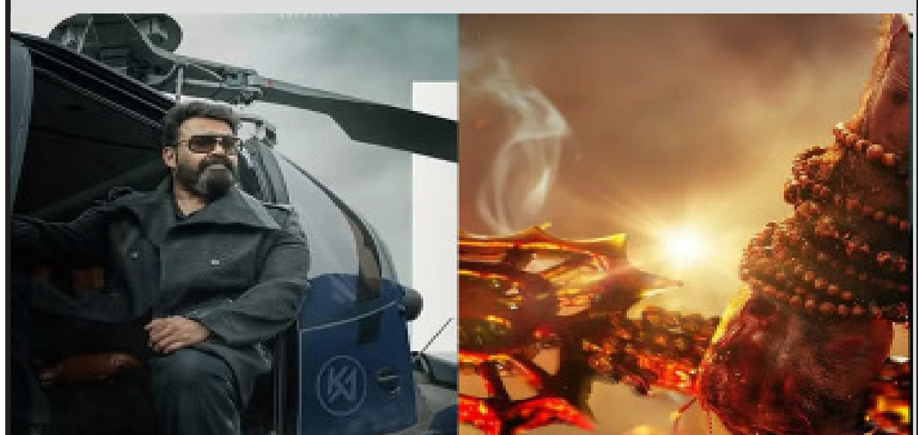

से इंतजार है।साल 2025 साउथ सिनेमा के लिए बेहद खास होने वाला है। इस वर्ष कई बहुप्रतीक्षित सीक्वल फिल्में दर्शकों को मनोरंजन करने के लिए सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। ये फिल्में अपनी दमदार कहानी से सबको प्रभावित करने की कोशिश करेंगी। आइए एक नजर डालते हैं इन रोमांचक फिल्मों की लिस्ट पर जो इस साल बड़े पर्दे पर धमाल मचा सकती हैं।ऋषभ शेट्टी अभिनीत 'कांतारा: चैप्टर 1' कन्नड़ सिनेमा की सुपरहिट फिल्म 'कांतारा' का सुकुमारन की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' एक एक्शन थ्रिलर है, जो एक त्रयी (ट्रिलॉजी) फिल्म सीरीज का हिस्सा है। इस फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 मार्च को रिलीज होने वाली है और इसे लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म 'सलार' का दूसरा भाग ठशौर्यांग परवमठ भी 2025 में धमाल मचाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। पहली फिल्म की कहानी को आगे धमाकेदार वापसी करने की तैयारी में हैं। पहली फिल्म में वह दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। 'सरदार 2' में भी उनके अभिनय और कहानी से फैंस को बड़ी उम्मीदें हैं।अखंडा' की सफलता के बाद अब इसका दूसरा भाग 'अखंडा 2' भी आने वाला है। इस फिल्म में बालकृष्ण और डायरेक्टर बोयापति श्रीनू एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। यह फिल्म एक्शन और ड्रामा का जबर्दस्त मिश्रण दर्शकों के सामने पेश करने जा रही है।

क्या सच में राम चरण की फिल्म में नजर आएंगे धोनी जानें दावों के पीछे की सच्चाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राम चरण की आगामी फिल्म में एम एस धोनी के नजर

आने की खबरें सोशल मीडिया पर हाल ही में खूब सुर्खियां बटोर रही थीं। आइए जानते हैं कि इसके पीछे की सच्चाई क्या है?ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व खिलाड़ी डेविड वार्नर की चर्चा इन दिनों जोरों पर है। वह जल्द ही बड़े पर्दे पर नितिन की फिल्म 'रॉबिनहुड' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह विशिष्ट भूमिका में दिखेंगे। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अच्छी-खासी उत्सुकता है। वहीं, वार्नर की मौजूदगी ने फिल्म को और खास बना दिया है। दूसरी तरफ, भारत के महान कप्तानों में से एक एमएस धोनी के फिल्मी डेब्यू की अटकलें भी सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि धोनी, राम चरण की अगली फिल्म 'आरसी 16' में कैमियो रोल करने जा रहे हैं। इन खबरों में कहा गया था कि बूची बाबू सना के निर्देशन में बन रही इस फिल्म धोनी अभिनेतना राम चरण के कोच की भूमिका में दिखेंगे। हालांकि, 123 तेलुग की खबर के मुताबिक अब पता चला है कि ये सारी बातें महज अफवाह थीं। फिल्म में कोच का किरदार तो है, लेकिन उसे एमएस धोनी नहीं निभा रहे हैं।'आरसी 16' में राम चरण के साथ लीड रोल में जाह्नवी कपूर नजर आएंगी। फिल्म के गाने मशहूर संगीतकार एआर रहमान तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा, इसमें 'मिर्जापुर' फेम दिव्येंदु, शिव राजकुमार और जगपति बाबू जैसे सितारे भी अहम किरदारों में दिखेंगे। फिल्म को वृद्धि सिनेमाज के वेंकट सतीश किलारू प्रोड्यूस कर रहे हैं।

कब जारी होगा 'कन्नप्पा' का ट्रेलर विष्णु मांचू अपडेट साझा कर बोले यह तैयार करना सबसे मुश्किल था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कन्नप्पा' का टीजर हाल ही में जारी हुआ था। अब दर्शकों को ट्रेलर का इंतजार है। विष्णु मांचू ने अब फिल्म के ट्रेलर

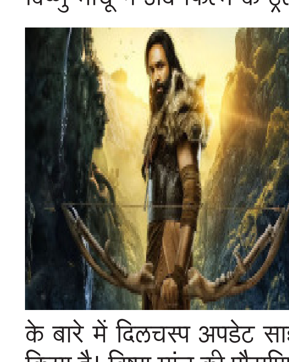

के बारे में दिलचस्प अपडेट साझा किया है। विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा 'कन्नप्पा' बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और मोहनलाल के दिलचस्प कैमियो की वजह से चर्चा में है। अब विष्णु मांचू अपनी फिल्म का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी हुआ था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया। अब दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का इंतजार है, जिस पर विष्णु मांचू ने जानकारी साझा की है।फिल्म के प्रोमो ने लोगों का खूब मनोरंजन किया है और ट्रेलर लॉन्च का समय भी नजदीक आ रहा है। अब एक इंटरव्यू में विष्णु ने बताया कि ट्रेलर को अंतिम रूप देना अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण काम रहा है। विष्णु मांचू ने कहा कि कन्नप्पा में कई बड़े सितारे हैं, इसलिए ऐसा ट्रेलर बनाना मुश्किल है, जो सभी को न्याय दे सके। ट्रेलर तैयार हुए दो महीने हो गए हैं, लेकिन अब भी इस पर काम चल रहा है। विष्णु ने आगे कहा कि पिछले दो महीने से ही ट्रेलर पर काम चल रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।